दैनिक जयन्त
स्थापित : 1979
संस्थापक
स्व0 श्री नरेन्द्र उनियाल
वर्ष-44, अंक 311
कोटद्वार बुधवार
22 मार्च 2023, पृष्ठ-8

गढ़वाल जनपद का प्रथम दैनिक

जयन्त

निर्भीक-निष्पक्ष-जनसरोकार

खबर बड़ी होती है, अखबार नहीं
दैनिक जयन्त
www.dainikjayantnews.com

कोटद्वार एवं गैरसैंण से प्रकाशित डाक पंजीयन यू.ए./पी.ए.ओ.07-2021-23 फोन नं0 01382-222383, मो0 नं0 8384897348, 9412081969 e-mail : dainikjayant@rediffmail.com, nagendra.uniyal@gmail.com मूल्य-2 रुपये

बेमौसम बारिश व ओलावृष्टि से बर्बाद हुई फसल

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : धुमाकोट व आसपास के क्षेत्र में हो रही बेमौसम बारिश व ओलावृष्टि से काश्तकारों की फसल बर्बाद हो गई है। फसल बर्बाद होने से काश्तकारों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है।

पर्वतीय क्षेत्रों में पिछले दो दिन से बेमौसम बारिश व ओलावृष्टि हो रही है। ऐसे में सबसे अधिक नुकसान काश्ताकरों को उठाना पड़ रहा है। धुमाकोट क्षेत्र के काश्तकार विक्रम सिंह रावत ने बताया कि बेमौसम बारिश व ओलावृष्टि ने काश्तकारों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। खेतों में खड़ी लहसून, प्याज, धनिया व जौ की फसल पूरी तरह बर्बाद हो चुकी है। बताया कि क्षेत्र के कई काश्तकार केवल खेती पर ही निर्भर हैं। ऐसे में उनके समक्ष आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। ग्राम कसाना, नाला, पटोटिया, रिंगल्टी, खुटिरा, सांगलिया में भी काश्तकारों को भारी नुकसान हुआ है।

न्यूली-नांडी मोटर मार्ग की स्थिति दयनीय, दुर्घटना का बना खतरा

श्रीनगर गढ़वाल : कीर्तिनगर ब्लॉक के पाव बैंड-न्यूली-नांडी मोटर मार्ग की दुर्दशा पर स्थानीय लोगों में आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि जगह-जगह गड्ढे पड़े होने और डामरी उखड़ जाने से मार्ग में आवागमन में भारी दिक्कतें हो रही हैं। कई बार संबंधित विभाग को इस संदर्भ में अगवत करा दिया गया। बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है।

न्यूली के ग्राम प्रधान संजय देव डंगवाल, मोहित मैठाणी ने बताया कि न्यूली-नांडी मोटर मार्ग की स्थिति दयनीय बनी हुई है। जिससे मार्ग पर दुर्घटनाओं का खतरा भी बना हुआ है। ग्राम प्रधान संजय देव डंगवाल ने कहा कि विभागीय अधिकारियों को कई बार लिखित में इसकी जानकारी दे दी गई है, लेकिन मार्ग की स्थिति नहीं सुधर पा रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने भी सड़कों के गड्ढे ठीक करने और मोटर मार्गों की स्थिति सुधारने के निर्देश दिए हैं। कहा कि यदि मांग पर जल्द ही ठोस कार्यवाही नहीं हुई तो उन्हें आंदोलन के लिए विवश होना पड़ेगा। लोनिवि कीर्तिनगर के सहायक अभियंता संजय सिंह बिष्ट ने बताया कि उक्त मोटर मार्ग का सुधारीकरण कार्य जल्द किया जाएगा। (एजेंसी)

ट्रेन की चपेट में आकर बुजुर्ग महिला की मौत

रुड़की। ट्रेन की चपेट में आने से एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। गंगनहर कोतवाली क्षेत्र के सफरपुर गांव के पास से रेलवे लाइन गुजर रही है। मंगलवार सुबह एक महिला किसी काम से रेलवे ट्रैक के पास गई थी। रेलवे ट्रैक क्रॉस करते वक्त बुजुर्ग एक ट्रेन की चपेट में आ गई।

अधिकतम तापमान सामान्य से 11.4 डिग्री कम

रुड़की। मौसम के बदले मिजाज से जनजीवन पर असर पड़ा। रात से रिमझिम बारिश होती रही। रुड़की में अधिकतम तापतान सामान्य से 11.4 डिग्री कम रहा। पंद्रह एमएम बारिश रिकार्ड की गई। इस बार सर्दियों में बारिश नहीं हुई। मार्च में ही पारा तीस डिग्री को पार कर गया था।

लेकिन एक बार फिर से मौसम बदल गया है। कुछ दिनों से हो रही बारिश के बाद ठंड का अहसास होने लगा है।

केदारनाथ में जमकर बर्फबारी, पूर्णागिरि मार्ग पर आया मलबा

देहरादून । उत्तराखंड में बीते तीन दिनों से मौसम का मिजाज बदला हुआ है। मंगलवार को भी दिन की शुरुआत बारिश के साथ हुई। पहाड़ से मैदान तक सोमवार रात से ही रुक-रुककर बारिश हो रही है। जिसके चलते तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है।

वहीं, केदारनाथ में जमकर बर्फबारी हुई। उधर, पूर्णागिरि मार्ग पर बारिश के कारण बाटनागड़ के पास मलबा आ गया। जिसके चलते कुछ देर के लिए श्रद्धालुओं की आवाजाही रोकी गई थी।

आज भी राजधानी देहरादून सहित राज्य के अधिकांश जनपदों में गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश और ओलावृष्टि की चेतावनी मौसम विभाग ने दी है। मौसम विभाग के निदेशक विक्रम सिंह ने बताया कि उत्तराखंड राज्य के कुमाऊं और गढ़वाल मंडल के अधिकांश स्थलों पर गर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश और ओलावृष्टि हो सकती है। साथ ही ऊंचाई वालें इलाकों में बर्फबारी की संभावना है। दून में भी गरज के साथ बारिश और ओलावृष्टि की संभावना है। तापमान में और गिरावट होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस और 10 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। केदारनाथ पैदल मार्ग पर भैरव गदेरा के पास भारी मात्रा में बर्फ खिसककर रास्ते पर आ गई। जिसके चलते फुटपाथ का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। जिस कारण फुटपाथ पर आवाजाही रोक दी गई है।

दरअसल, चारधाम यात्रा शुरू होने वाली है। जिसके चलते इन दिनों केदारनाथ धाम में बर्फ हटाने का काम चल रहा है। लेकिन बीते दो दिन से वहां फिर बर्फबारी होने से मुश्किलें बढ़ गई हैं।ऊखीमठ के उप जिलाधिकारी जितेंद्र वर्मा ने बताया है कि गौरीकुंड केदारनाथ पैदल मार्ग पर भैरव गदेरा, जो हिमखंड जोन है, वहां पर पहाड़ी से बर्फ खिसकर रास्ते पर आई है। क्षेत्र में लगातार बर्फ गिर रही है, जिससे पहले से जमी बर्फ के नई बर्फ के दबाव के कारण खिसकर नीचे आ रही है।

राज्यपाल ने प्रदेशवासियों को चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दी

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने समस्त प्रदेशवासियों को चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है साथ ही उन्होंने सभी को हिन्दू नववर्ष की भी बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। अपने संदेश में राज्यपाल ने कहा की इस वर्ष हम चैत्र नवरात्रि को नारी शक्ति उत्सव के रूप में मना रहे हैं। आने वाले नौ दिन हम सभी माँ दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा एवं आराधना करेंगे। उन्होंने कहा की यह पर्व हमारे लिए तभी पूर्णतः सार्थक होगा, जब हम समाज के हर क्षेत्र में बेटियों को बेटों के समान स्नेह, सम्मान और अवसर प्रदान करेंगे। राज्यपाल ने माँ दुर्गा से सभी प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि तथा उत्तम स्वास्थ्य की कामना की है।

अग्निवीर भर्ती में आईटीआई के मिलेंगे अतिरिक्त अंक

देहरादून। सेना की अग्निवीर भर्ती में आईटीआई पास युवाओं को अतिरिक्त अंक मिलेंगे। उत्तराखंड में भी बड़ी संख्या में युवाओं को इसका लाभ मिलेगा। सेना की ओर से अग्निपथ योजना में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान से पास छात्रों को तकनीकी श्रेणी में वैटेज देने का प्रावधान किया है।

सचिव विजय कुमार यादव ने बताया कि अग्निवीर के रूप में भर्ती में 10वीं पास और आईटीआई पास को 20 अंक, 10 वीं पास और दो से तीन साल के डिप्लोमा पर 30 अंक, 12 वीं पास और एक वर्षीय आईटीआई पास को 30 अंक, 12 वीं पास और दो साल के आईटीआई पास को 40 अंक, 12 वीं पास और डिप्लोमा धारक को 50 अंक का बोनस दिया जाएगा। राज्य के युवाओं को इसका लाभ मिलेगा।

विस क्षेत्रों की समस्याएं अफसर जल्द हल करें: सीएम

योजनाओं के क्रियान्वयन में प्रक्रियाओं के सरलीकरण पर दिया जाए ध्यान: सीएम

देहरादून। विधायकगणों द्वारा अपने विधानसभा क्षेत्र की जो समस्याएं रखी जा रही हैं, उनका अधिकारी शीघ्रता से समाधान करें। अधिकारी यह भी सुनिश्चित करें कि सामान्य प्रक्रिया के तहत चलने वाले कार्यों में अनावश्यक विलंब न हो, उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में क्षेत्रों की छोटी समस्याएं न आयें, इनका निदान जिलाधिकारी जनपद स्तर पर यथाशीघ्र करें। विधायकगणों द्वारा अपनी विधानसभा क्षेत्रों के जो कार्य प्राथमिकता पर रखे गये हैं, उनमें अनावश्यक विलंब न हो। यह निर्देश मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास में टिहरी लोकसभा क्षेत्र की विधानसभाओं के गतिमान कार्यों एवं विकासपरक योजनाओं की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को दिये।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा विधानसभाओं की समीक्षा बैठक के दौरान विभिन्न क्षेत्रों की जो भी समस्याएं आ रही हैं, उनके समाधान के लिए विभिन्न विभागों द्वारा क्या आवश्यक कार्यवाही की जा रही है, इसकी भी नियमित समीक्षा की जाए। जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के लिए प्रक्रियाओं के सरलीकरण पर विशेष ध्यान दिया जाए। विभागीय सचिव विधानसभा क्षेत्रों की समस्याओं के निराकरण के लिए अपने विभागों की नियमित समीक्षा करें। जनपदों के प्रभावी सचिव भी नियमित रूप से जनपदों में विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करें। उन्होंने कहा कि विधानसभाओं के विकास कार्यों की समीक्षाएं प्रत्येक तीन माह में की जायेंगी। अभी जो बैठक हो रही है, इनमें विधायकगणों द्वारा अपनी विधानसभा क्षेत्रों की जो समस्याएं रखी गई है, उनके समाधान के लिए किये गये प्रयासों की भी अगली बैठक में समीक्षा की जायेगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखण्ड में बागवानी, कृषि, पर्यटन के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। इन क्षेत्रों में लोगों की आजीविका बढ़ाने के लिए और तेजी से कार्य किये जाएं। स्थानीय स्तर पर लोगों को स्वरोजगार के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध होने से पलायन भी रूकेगा। एप्पल एवं कीवी मिशन के तहत भी तेजी से कार्य किये जाएं। किसानों को बागवानी और खेती के लिए उन्नत किस्म के बीज और पौध की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। राज्य की आर्थिकी को तेजी से बढ़ावा देने के लिए और प्रयासों की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये की आगामी ग्रीष्म काल के दृष्टिगत पेयजल आपूर्ति की समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं।

बैठक में विधाकगणों द्वारा सड़कों के निर्माण, स्वास्थ्य सुविधाओं को और बेहतर बनाने, बाढ़ सुरक्षा के कार्य, पेयजल की समस्या, कूड़ा निस्तारण की समस्या, ड्रेनेज एवं सीवरेज की समस्या से अवगत कराया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि विधायकगणों द्वारा जो भी जन समस्याएं रखी गई हैं, उनका हर संभव समाधान किया जायेगा।

बैठक में कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, सांसद टिहरी माला राज्यलक्ष्मी शाह, विधायक किशोर उपाध्याय, प्रीतम सिंह पंवार, शक्तिलाल शाह, मुन्ना सिंह चौहान, सहदेव सिंह पुण्डीर, उमेश शर्मा काऊ खजान दास, सविता कपूर, दुर्गेश्वर लाल, सुरेश सिंह चौहान, अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, आनन्द बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर. के. सुधांशु, सचिव आर.मीनाक्षी सुंदरम, बी.वी.आर.सी. पुरुषोत्तम, डॉ. रंजीत सिन्हा, एच.सी. सेमवाल, डॉ. आर. राजेश कुमार, एस.एन.पाण्डेय, महानिदेशक शिक्षा बंशीधर तिवारी, अपर सचिव जगदीश चन्द्र काण्डपाल, संबंधित विभागीय अधिकारी एवं वर्चुअल माध्यम से संबंधित जनपदों के जिलाधिकारी एवं जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

यूपी सिंचाई विभाग ने हरकी पैड़ी पर अचानक रोका जल

हरिद्वार । यूपी सिंचाई विभाग की ओर से मंगलवार को हर की पैड़ी पर अचानक जल रोक दिया गया। जल करीब दो घंटे के लिए रोका गया। जिसके चलते हर की पैड़ी पर आए श्रद्धालुओं को बहुत ही कम जल में डुबकी लगानी पड़ी।

श्री गंगा सभा के अध्यक्ष नितिन गौतम ने बिना सूचना के जल बंद करने को लेकर यूपी सिंचाई विभाग की इस हरकत पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि विभाग ने श्री गंगा सभा को इसकी कोई जानकारी नहीं दी।

वहीं, यूपी सिंचाई विभाग के एसडीओ का कहना है कि तेज बारिश की वजह से भीमगोड़ा बैराज के गेट कुछ देर के लिए बंद किए गए थे। जिसकी वजह से ऐसा हुआ, लेकिन हमनें कुछ ही देर में ही जल छोड़ दिया था।

इंटरपोल से मेहुल चोकसी को राहत पर टिप्पणी

प्रत्यर्पण पर नहीं पड़ेगा फर्क

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएनबी में 13 हजार करोड़ रुपये के घोटाला मामले में भगोड़ा हीरा कारोबारी को इंटरपोल से राहत मिलने के बाद सीबीआई ने बयान जारी किया है। केंद्रीय एजेंसी ने कहा कि इंटरपोल की फाइलों के नियंत्रण के लिए आयोग (सीसीएफ) से मेहुल के खिलाफ रेड नोटिस बहाल करने को कहा है। इंटरपोल ने सीबीआई और ईडी के अनुरोध पर ही साल 2018 में चोकसी के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया था। इस फैसले के खिलाफ 2020 में उसकी अपील खारिज कर दी गई थी।

सीबीआई ने कहा कि साल 2022 में अपने कथित अपहरण के प्रयास के बाद मेहुल ने सीसीएफ से संपर्क किया। सीबीआई ने कहा कि मेहुल ने सीसीएफ से संपर्क कर रेड कॉर्नर नोटिस हटाने का अनुरोध किया था। चोकसी की याचिका पर ही अंतरराष्ट्रीय संगठन ने ये फैसला लिया है।

सीबीआई ने आगे बताया कि सीसीएफ एक इंटरपोल के भीतर अलग निकाय है और ये इंटरपोल सचिवालय के नियंत्रण में नहीं है।

पंजाब पुलिस का शक, अमृतपाल सिंह ने बदला अपना हुलिया

चंडीगढ़, एजेंसी । वारिस पंजाब दे का प्रमुख व खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह जालंधर के गांव नंगल अंबिया के गुरुद्वारा से भेष बदल कर अपने साथियों के साथ फरार हुआ। गुरुद्वारे में अमृतपाल ने कपड़े बदल कर शर्ट पैंट पहनी और अपने तीन साथियों के साथ दो अलग अलग बाइक पर फरार हो गया।

अमृतपाल पर बीती 18 मार्च को एनएसए लगा दिया गया था। पुलिस ने इस मामले में अमृतपाल को गुरुद्वारे तक पहुंचाने और भागने में मदद करने वाले चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आई मुख्यालय सुखचैन सिंह गिल ने अमृतपाल सिंह की अलग अलग हुलिए की नई व पुरानी तस्वीरें जारी की गई।

आईजी ने बताया पकड़े गए आरोपितों की पहचान नवा किला शाहकोट के मनप्रीत सिंह उर्फ मन्ना, बल नकोदर निवासी गुरदीप सिंह उर्फ दीपा, जिला होशियारपुर के गांव कोटला हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी और जिला फरीदकोट के गांव गुनदारा गुरभेज सिंह उर्फ भेज्जा के तौर पर हुई। आरोपितों से एक 315 बोर की राइफल, तलवारें और वाकी टाकी बरामद की गई है। आरोपितों के खिलाफ आर्म्स एक्ट व आरोपित अमृतपाल को भागने का मामला दर्ज किया गया है।

आईजी ने बताया कि पकड़े गए आरोपितों ने पुलिस पूछताछ में बताया है कि अमृतपाल मर्सिडीज से निकलकर पहले ब्रेजा कार में बैठा और गांव नंगल अंबिया के गुरुद्वारा तक पहुंचा। वहां अमृतपाल सिंह ने अपना हुलिया बदला। उसने पेंट शर्ट पहनी और अपनी किरपाण वहीं छोड़ गया। आईजी ने बताया कि ब्रेजा पकड़े गए आरोपितों के घर से ही बरामद की गई है।

उन्होंने बताया कि इस मामले में अब तक 154 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। उन्होंने लोगों से अपील की शांति बनाए रखे। आईजी ने बताया कि मोहाली में जो लोग सड़क पर बैठे थे उन से सड़क खाली करवा ली गई है। आईजी ने कहा कि अमृतपाल को लेकर जो भी अपडेट होगा शेयर किया जाएगा।

गांव उधोवाल के सरपंच मनप्रीत सिंह ने अमृतपाल के चाचा हरजीत सिंह और हरप्रीत सिंह के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। आईजी मुख्यालय ने बताया कि आरोपितों की ओर से परिवार को बंदूक की नोक पर बंधक बनाया गया। मामले की जांच पुलिस ओर से की जा रही है।पंजाब में इंटरनेट सेवा बहाल कर दी गई। लेकिन पांच जिलों में अभी इंटरनेट सेवा प्रभावित रहेगी। तरनतारन, फिरोजपुर, मोगा, संगरूर, सब डिवीजन अजनाला, मोहाली में वाइपीएस चौंक के साथ साथ एयरपोर्ट रोड़ के क्षेत्र में इंटरनेट सेवा आगामी 23 मार्च तक इंटरनेट सेवा बंद रहेगी।

माफिया अतीक के ढहाए गए कार्यालय पर चला सर्च ऑपरेशन

चंदौली, एजेंसी । उमेश पाल हत्याकांड की साजिश रचाने का मुख्य आरोपी माफिया अतीक अहमद भले ही साबरमती जेल में बंद है, लेकिन प्रशासन उसके काले कारनामों की कमाई से बनाए गए किलों को ढहाने में लगा है। चंदौली जिले की तहसील चकिया में भी माफिया अतीक के कार्यालय पर सर्च ऑपरेशन चलाया गया। इस दौरान उक्त कार्यालय से कई संदिग्ध चीजें बरामद हुई।चकिया के करबला में माफिया अतीक अहमद का कार्यालय था, जहां पर उसके गुर्गे अक्सर आया जाया करते थे। यह कार्यालय भी माफिया की काली कमाई से बनाया गया था, जिस पर दो साल पूर्व बुलडोजर चलाकर ढहा दिया गया था, जिसमें दो कमरे बचे हुए थे। इन्हीं दो कमरों की पुलिस ने तलाशी ली, जिसमें भारी मात्रा में अवैध हथियार मिले।

बताया गया कि पुलिस ने मौके से दो लोगों को हिरासत में लिया है, जिन्हें पुलिस अपने साथ ले गई। इन दोनों आरोपियों की निशानदेही पर ही हथियारों और नगदी की बरामदगी की गई है, जिसमें 10 पिस्टल तमंचा, तमाम कारतूस और 80 लाख के आसपास नगदी बरामद की गई।

कार्रवाई के दौरान थाना प्रभारी धूमनगंज राजेश मौर्य मौके पर पुलिस बल के साथ पहुंचे। सूचना थी कि अंदर कोई व्यक्ति छिपा है। व्यक्ति की तलाश में पुलिस बल जुट गया। एसओजी प्रभारी विनोद यादव ने भी सर्च लाइट लेकर तलाशी ली। इसके पहले उमेश पाल हत्याकांड के बाद पुलिस और एसओजी ने 3 दिन तक अतीक अहमद के मोहल्ले चकिया के घर-घर में तलाशी ली थी।मौके पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आकाश कुलहरि, डीसीपी नगर, डीसीपी गंगानगर समेत कई पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहे। बता दें कि अतीक के इस कार्यालय को दो साल पहले तोड़ा जा चुका है।

सुको ने बंद पुराने नोटों को स्वीकार करने के अलग-अलग मामलों पर विचार करने से किया इन्कार, कहा- सरकार के पास जाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को 1,000 रुपये और 500 रुपये के मूल्यवर्ग के पुराने नोटों को स्वीकार करने के व्यक्तिगत मामलों पर विचार करने से इनकार कर दिया। बीआर गवई और विक्रम नाथ की पीठ ने हालांकि, व्यक्तिगत याचिकाकर्ताओं को एक प्रतिनिधित्व के साथ सरकार से संपर्क करने की अनुमति दी।

पीठ ने कहा, "संविधान पीठ के फैसले के बाद हमें नहीं लगता कि हमारे लिए संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अलग-अलग मामलों में विमुद्रीकृत नोटों को स्वीकार करने के लिए हमारे अधिकार क्षेत्र का प्रयोग करने की अनुमति होगी।" पीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि कोई याचिकाकर्ता भारत संघ द्वारा की गई कार्रवाई से संतुष्ट नहीं है, तो वे संबंधित उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने के लिए स्वतंत्र होंगे।

बहुमत के फैसले में, शीर्ष अदालत ने सरकार के 2016 के 1,000 रुपये और 500 रुपये मूल्यवर्ग के नोटों के विमुद्रीकरण के फैसले को बरकरार रखा था।

प्रदेश का अधिकतर भाग वन क्षेत्र होने के कारण यहां ईको टूरिज्म की अत्यधिक संभावनाएं: मुख्य सचिव

देहरादून। मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु ने मंगलवार को सचिवालय में प्रदेश में ईको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए आज जनपद नैनीताल, पौड़ी, अल्मोड़ा, टिहरी और चमोली के जिलाधिकारियों और डीएफओ के साथ बैठक की। मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेश का अधिकतर भाग वन क्षेत्र होने के कारण यहां ईको टूरिज्म की अत्यधिक संभावनाएं हैं। ईको टूरिज्म में अधिक से अधिक रोजगार सृजन की संभावनाएं हैं। मुख्य सचिव ने कहा कि वन विभाग को इसके लिए महत्त्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि फॉरेस्ट अधिकारियों को नियामक मानसिकता से बाहर निकल कर बिना पर्यावरण और वन को नुकसान पहुंचाए प्रदेश के विकास में अपनी भागीदारी निभानी होगी। कहा कि सभी जनपदों को इस दिशा में कार्य करना है, जो भी जनपद अच्छा कार्य करेंगे उन्हें पुरस्कृत किया

जाएगा। मुख्य सचिव ने कहा कि प्रोफेशनल गाइड प्रशिक्षण प्रदान कर अच्छे से प्रशिक्षित किया जाए। उन्होंने कहा कि ईको टूरिज्म साइट्स को विकसित करने के लिए प्राकृतिक सामग्रियों का अधिक से अधिक प्रयोग कर कंक्रीट स्ट्रक्चर्स से परहेज किया जाए। उन्होंने ईको टूरिज्म साइट्स को जानकारी के लिए सभी होटल और रिजॉर्ट्स में पैंपलेट्स आदि रखने के निर्देश दिए ताकि पर्यटकों को अपने आसपास स्थित ऐसे स्थानों की जानकारी मिल सके, गूगल मैप में भी आसपास के पुराने पर्यटन स्थलों के साथ नए स्थल भी पर्यटकों को मिल सकें। मुख्य सचिव ने प्रमुख वन संरक्षक को सभी डीएफओ को वन क्षेत्र में स्वीकार्य और अस्वीकार्य गतिविधियों की जानकारी उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी प्रकार के पर्यटन स्थलों में पर्यटकों से फीडबैक लिए जाने हेतु सिस्टम विकसित करने के भी निर्देश दिए। कहा कि पर्यटकों से कमियों की जानकारी और सुझाव लेकर उन्हें दूर किए जाने की दिशा में कार्य किए जाने की आवश्यकताएं हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की 80-90 प्रतिशत साइट्स में रॉक क्लाइंबिंग की संभावनाएं हैं, इन्हें विकसित करते हुए सभी ऐसी साइट्स पर एक्सपर्ट भी अवश्य लगाया जाए। उन्होंने सभी गतिविधियों में स्थानीय लोगों को शामिल करते हुए उस कार्य में लगे लोगों के सुझाव लेकर योजना को सफल बनाए जाने की दिशा में काम किया जाए। बैठक के दौरान आज जनपद नैनीताल, पौड़ी, अल्मोड़ा, टिहरी और चमोली के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उक्त जनपदों के डीएफओ द्वारा चिन्हित स्थलों के लिए प्रस्तावित गतिविधियों पर प्रस्तुतीकरण दिया गया।

नई टिहरी पीजी कॉलेज में गंगा स्वच्छता पखवाड़ा शुरू

नई टिहरी। पीजी कॉलेज नई टिहरी में गंगा स्वच्छता पखवाड़े का महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. डीपीएस भंडारी तथा नमामि गंगे समिति सदस्यों ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर शुभारंभ किया। महाविद्यालय प्राचार्य ने कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों को गंगा स्वच्छता शपथ दिलाई। मौके पर नमामि गंगे व अर्थ गंगा लोगो युक्त टी-शर्ट और जुट के बैगों को छात्र-छात्राओं को बांटा गया। नमामि गंगे की सदस्य डॉ. आशा डोभाल ने नमामि गंगे परियोजना के बारे में छात्रों को जानकारी दी। कहा कि नमामि गंगे परियोजना के तहत किए जा रहे कार्यों से गंगा की स्वच्छता और निर्मलता पर सकारात्मक प्रभाव देखने को मिला है। महाविद्यालय प्राचार्य ने कहा कि गंगा और उसकी सहायक नदियों को स्वच्छ एंव निर्मल बनाने के लिए लिए सभी को मिलकर कार्य करने की जरूरत है।

अनुसूचित जाति, जनजाति व अन्य पिछडा वर्ग के छात्रों को नहीं मिल रही छात्रवृति

विकासनगर। अनुसूचित जाति, जनजाति व पिछड़ा वर्ग के छात्र-छात्राओं को छात्रवृति न मिलने से हो रही समस्याओं को लेकर छात्रों के एक प्रतिनिधिमंडल ने पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष कमलेश भट्ट के नेतृत्व में समाज कल्याण मंत्री को ज्ञापन सौंपा। कहा कि समाज कल्याण विभाग व शिक्षा विभाग छात्र छात्राओं को एक-दूसरे का चक्कर कटवा रहे हैं, लेकिन उसके बावजूद छात्र-छात्राओं को छात्रवृति नहीं मिल पा रही है। पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष कमलेश भट्ट के नेतृत्व में विभिन्न कॉलेजों के छात्र-छात्राओं का एक प्रतिनिधिमंडल समाज कल्याण मंत्री उत्तराखंड सरकार से मुलाकात की। समाज कल्याण मंत्री को ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि अनुसूचित जाति, जनजाति व अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्र छात्राओं को छात्रवृत्ति ना मिलने के कारण हो पढ़ाई में आ रहे संकट के बारे जानकारी दी। बताया कि समाज कल्याण विभाग द्वारा छात्रों के छात्रवृत्ति फॉर्म रिजेक्ट कर दिए गए हैं। विभाग का कहना है कि कॉलेजों की संबद्धता श्रीदेव सुमन विश्व विद्यालय अथवा अन्य किसी विश्व विद्यालय से नहीं है। जबकि छात्र-छात्राओं ने प्रथम वर्ष पास भी कर लिया है। उनकी मार्कशीट भी आ गई है। बताया कि अब छात्रवृत्ति का पोर्टल भी बंद हो गया है। जिससे छात्र छात्राओं को छात्रवृति नहीं मिलने के कारण उनके सामने आगे पढाई का संकट खडा हो गया है। पूर्व छात्रसंस अध्यक्ष कमलेश भट्ट ने बताया कि समाज कल्याण मंत्री चंदन रामदास ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि छात्रवृत्ति का पोर्टल दोबारा खोलकर छात्रों की समस्या का निराकरण किया जाएगा।

गो बचाओ जन जागरण रथ यात्रा ऋषिकेश से हुई शुरू

ऋषिकेश। श्रीराम गोधाम सेवा समिति की सात दिवसीय गो बचाओ जन जागरण रथ यात्रा मंगलवार को ऋषिकेश से शुरू हुई। यह यात्रा उत्तराखंड के विभिन्न क्षेत्रों से होकर गुजरेगी। इसमें क्षेत्रवासियों को गो संरक्षण के प्रति जागरूक किया जाएगा। मंगलवार को तपोवन आनन्द भवन आश्रम में कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में श्रीराम गोधाम सेवा समिति की सात दिवसीय गो बचाओ जन जागरण रथ यात्रा का शुभारंभ साधु संतों ने किया। श्रीराम गोधाम के संस्थापक जगदीश भट्ट और समिति के संरक्षक मोहन काला ने कहा कि 21 मार्च से 27 मार्च तक गढ़वाल मंडल क्षेत्र में गो माता की सेवा, संरक्षण एवं संवर्धन की अभिलाषा में गो बचाओ जन जागरण निकाली जा रही है। ऋषिकेश से यह यात्रा शुरू हुई है। अब यह यात्रा मंगलवार को ही देहरादून, मसूरी होते हुए रात को लाखा मंडल रात्रि विश्राम के लिए पहुंचेगी। 22 मार्च को लाखा मंडल से होकर दैनिक भ्रमण तथा रात्रि विश्राम उत्तरकाशी जनपद क्षेत्र में होगा। 23 मार्च को उत्तरकाशी से लंबगांव, बूढाकेदार मंदिर, रात्रि विश्राम प्रथम केदार बेलेश्वर धाम क्षेत्र में होगा। 24 मार्च को प्रथम केदार बेलेश्वर धाम से घनसाली, रुद्रप्रयाग और रात्रि विश्राम जोशीमठ में होगा। 25 मार्च को जोशीमठ से चमोली जनपद क्षेत्र, रुद्रप्रयाग जनपद रात्रि और विश्राम कमलेश्वर महादेव मंदिर श्रीनगर में होगा।

26 मार्च को श्रीनगर से देवप्रयाग, कोटद्वार और रात्रि विश्राम हरिद्वार में होगा। 27 मार्च को हरिद्वार से ऋषिकेश के श्री भरत मंदिर झंडा चौक में पहुंचकर यात्रा संपन्न होगी। मौके पर स्वामी रमेश आनंद महाराज, महंत रवि प्रपन्नाचार्य, महामंडलेश्वर स्वामी दयाराम दास महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी ईश्वर दास महाराज आदि रहे।

घायल व्यक्ति की मदद कर पहुंचाया अस्पताल

रुद्रप्रयाग। भीरी में केदारनाथ हाईवे पर गिरे एक व्यक्ति की अग्निशमन केंद्र रुद्रप्रयाग के प्रभारी एवं कार्मिकों ने मदद कर अस्पताल पहुंचाया। इस दौरान स्थानीय लोगों ने भी सहयोग किया।

अग्निशमन कर्मियों के इस पहल की लोगों ने प्रशंसा की। मंगलवार को प्रभारी अग्निशमन अधिकारी रुद्रप्रयाग देवेन्द्र सिंह चौहान अधीनस्थ कार्मिकों के साथ राजकीय कार्य के चलते गुप्तकाशी से वापस रुद्रप्रयाग की ओर आ रहे थे कि इसी बीच मार्ग में पड़ने वाले स्थानीय बाजार भीरी से कुछ पहले सड़क पर एक व्यक्ति घायल अवस्था में गिरा हुआ दिखाई दिया। जहां कुछ भीड़ लगी थी।

बारिश से मार्च में बढ़ी ठिठुरन, निकले गर्म कपड़े

ऋषिकेश। तीर्थनगरी में बारिश ने मौसम का मिजाज बदल दिया है। पारा लुढ़कने से मौसम ठंडा हो गया है। मार्च में एक सप्ताह पहले दोपहर के समय गर्मी का अहसास होने पर ज्यादातर लोग गर्म कपड़ों को अलविदा कर चुके थे। लेकिन पिछले तीन दिन से रुक-रुक कर हो रही बारिश ने एक बार फिर से ठिठुरन बढ़ा दी है। मार्च में मंगलवार सबसे ठंडा रहा। मंगलवार को न्यूनतम तापमान 14 और अधिकतम 17 डिग्री सेल्सियस रहा। एक दिन में 4 डिग्री तापमान कम दर्ज किया गया है। तीर्थनगरी के बुजुर्गों के मुताबिक वर्ष 1995 और 2010 में मार्च के महीने में इतना ही तापमान गिरा था, जितना अब 2023 में गिरा है। वरिष्ठ

नागरिक मदन मोहन शर्मा, वीरेंद्र शर्मा ने बताया कि 2010 में मार्च में न्यूनतम तापमान 14 डिग्री के आसपास रहा था। हालांकि 1995 में न्यूनतम तापमान 13 डिग्री तक रहा। बारिश के चलते मौसम ठंडा होने से मंगलवार को घरों से बाहर निकले लोग जैकेट, स्वेटर, मफलर आदि गर्म कपड़ों से पैक होकर निकले। मौसम विभाग के मुताबिक 24 मार्च तक मौसम ऐसा ही रहने का अनुमान है।

एक नजर

तंबाकू उत्पादन अधिनियम की जानकारी दी

चमोली। जिला मुख्यालय के प्रगति वेडिंग प्वांइट में तम्बाकू नियंत्रण जागरूकता विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका शुभारम्भ मुख्य अतिथि सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिमरनजीत कौर ने किया। उन्होंने सिगरेट व अन्य तम्बाकू उत्पादन(कोटपा) अधिनियम 2003 के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि सार्वजनिक स्थानों पर मादक पदार्थो का सेवन करना दण्डनीय अपराध है फिर भी कुछ लोग अज्ञानतावश ऐसा करते हैं। हमें उन्हें जागरूक करना है। साथ ही सभी को अपने विभाग व विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम करने चाहिए। अभिभावकों को भी अपने बच्चों के साथ समय व्यतीत करना चाहिए। ताकि बच्चे इस की तरह की व्यसनों से बच सके। कार्यशाला में जिला तम्बाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ चमोली द्वारा सिगरेट व अन्य तम्बाकू उत्पादन (कोटपा) अधिनियम-2003 के बारे में जागरूक किया और तम्बाकू उत्पादों से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर एसीएमओ वीपी सिंह, डॉ जैन, प्रो. दर्शन नेगी, सामाजिक कार्यकर्ता सुशीला सेमवाल आदि मौजूद रहे।

तीन सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा

विकासनगर। ढकरानी विद्युत गृह के कर्मचारियों की एक बैठक में तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की समस्याओं पर चर्चा की गयी। चर्चा के बाद कर्मियों ने यूजेवीएनएल प्रशासन को अपनी तीन सूत्री मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा कि यदि उनकी समस्याओं का शीघ्र निस्तारण नहीं किया जाता तो 25 मार्च को गेट मिटिंग कर एमडी को ज्ञापन सौंपेंगे। ढकरानी पावर हाउस परिसर में आयोजित बैठक में कर्मचारियों ने वेतन से रिकवरी न किये जाने की मांग की। तकनीशियन ग्रेड दो विद्युत व यांत्रिक के कर्मचारियों की अगली एसीपी को अवर अभियंता, सहायक अभियंता, अधिशासी अभियंता के समान देने की मांग की है।

चार धाम में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण को केन्द्र से मांगे 500 करोड़

पांच चिकित्सा इकाईयों के उच्चीकरण पर खर्च होंगे 150 करोड़, श्रीनगर मेडिकल कॉलेज में खुलेगी कैथ लैब, ट्रामा सेंटर और मॉड्यूलर ओटी

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : राज्य सरकार ने चार धाम एवं यात्रा मार्गों पर स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण एवं विस्तारीकरण के लिये केन्द्र सरकार से 500 करोड़ की धनराशि स्वीकृत करने की मांग की है। जिसके लिये विभागीय अधिकारियों ने स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के समक्ष योजना का विस्तृत प्रस्तुतिकरण देकर डीपीआर को अंतिम रूप दिया। नई योजनाओं के तहत चार धाम के अंतर्गत आने वाले पांच चिकित्सा इकाईयों के उच्चीकरण के साथ ही श्रीनगर मेडिकल कॉलेज में कैथ लैब सहित कार्डिक यूनिट, ट्रामा सेंटर व मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर स्थापित करना शामिल है। इसके साथ ही चार धाम यात्रा पर तैनात चिकित्सकों,

पैरामेडिकल स्टॉफ एवं अन्य कार्मिकों को प्रोत्साहन भत्ता देने की भी योजना है।

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने मंगलवार को यमुना कलोनी स्थित अपने शासकीय आवास में स्वास्थ्य विभाग के उच्चाधिकारियों की बैठक ली। जिसमें विभागीय अधिकारियों ने चार धाम यात्रा के अंतर्गत चारों धामों सहित यात्रा मार्गों पर स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण एवं विस्तारीकरण संबंधी योजना का प्रस्तुतिकरण दिया। डॉ. रावत ने बताया कि प्रत्येक वर्ष चार धाम यात्रा पर पूरे भारतवर्ष से लाखों यात्री पहुंचते हैं, लेकिन इन स्थानों पर सीमित स्वास्थ्य सुविधाओं के चलते यात्रियों को समुचित स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराना संभव नहीं हो पाता है। जिसको देखते हुये पिछले दिनों केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री डा. मनसुख मांडविया की अध्यक्षता में नई दिल्ली में आयोजित बैठक में चार धाम यात्रा में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तारीकरण के लिये पृथक पैकेज की मांग रखी गई थी। जिसकी विस्तृत कार्ययोजना (डीपीआर) तैयार कर भारत सरकार को भेजी जा रही है। जिसमें स्वास्थ्य सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण एवं विस्तारीकरण के लिय लगभग 500 करोड़ की मांग की गई है। जिसके अंतर्गत जोशीमठ, गुप्तकाशी, भटवाडी, पुरोला व बड़कोट चिकित्सा इकाईयों के उच्चीकरण के लिये 150 करोड़, श्रीनगर मेडिकल कॉलेज में कैथ लैब सहित कार्डिक यूनिट, ट्रामा सेंटर व मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर की स्थापना के लिये 27 करोड़, विभिन्न स्थानों पर ट्रंजिट हास्टल एवं स्वास्थ्य कुटिर की स्थापना हेतु 37 करोड़, मानव संसाधन के वेतन भत्तों एवं प्रोत्साहन राशि के लिय 270 करोड़, कार्डिक मोबइल वैन/एम्बुलेंस हेतु 1.5 करोड़, जनजागरूकता एवं चिकित्सकों व कार्मिकों के विशेष प्रशिक्षण हेतु 2 करोड़ तथा विभिन्न मेडिकल उपकरणों हेतु 6.5 करोड़ शामिल है।

चार शिक्षकों को शॉल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया

नई टिहरी। उत्तराखंड राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ चंबा ब्लॉक के पदाधिकारियों ने आगामी 31 मार्च को सेवानिवृत्त होने वाले चार शिक्षकों को शॉल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। संघ पदाधिकारियों ने कहा कि सेवा निवृत होने वाले शिक्षकों ने संगठन रहते हुए हमेशा शिक्षकों की हितों की लड़ाई में अग्रणीय भूमिका निभाई है। नई टिहरी के बौराड़ी स्थित एक होटल में आगामी 31 मार्च को अपनी सेवा पूर्ण करने वाले चार शिक्षकों के सम्मान में प्राथमिक शिक्षक संघ चंबा की ओर से कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष विनोद उनियाल, चंबा के पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष जगदीश सजवाण, संघ पदाधिकारी मदनलाल कोठारी तथा सरोजनी बिष्ट का सम्मान कर विदाई दी गई। संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष रविंद्र खाती ने कहा कि सभी को मिलकर संगठन और शिक्षकों के हितों के लिए कार्य करना चाहिए। संघ के जिलाध्यक्ष चंद्रवीर नेगी ने कहा कि छात्रों के भविष्य निर्माण की शिक्षकों पर अहम जिम्मेदारी होती है, लिहाजा हमें छात्र हितों के साथ शिक्षकों की समस्याओं के लिए एक मंच पर आना चाहिए। इससे पूर्व संघ की कोषाध्यक्ष संगीता चमोली ने आय व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया।मौके पर संघ के मंत्री विजयपाल सजवाण, संगठन के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दर्मियान सिंह नेगी, जिला प्रवक्ता टीटी राणा, परमजीत सजवाण, पदमलता सेमवाल, आरती रमोला, अमिता चौहान, सीमा डोभाल भीम लाल, मुकेश चमोली, ज्ञानानंद चमोली, राकेश, सुनिता नेगी, शकील अहमद, मोर सिंह असवाल, सुमित्रा चौहान, फुरकाना आदि मौजूद थे।

22 फरियादियों में 14 पेंशन की समस्या लेकर पहुंचे

ऋषिकेश। जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए आयोजित तहसील दिवस में अतिक्रमण, सड़क, बिजली की समस्या समेत 22 मामले आए। इनमें वृद्धा, दिव्यांग और विधवा पेंशन से जुड़ी 14 शिकायत आयी।

इनका मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। जबकि अन्य को संबंधित विभाग को अग्रसारित कर दिया। मंगलवार को ऋषिकेश तहसील मुख्यालय के सभागार में तहसील दिवस आयोजित किया गया। एसडीएम सौरभ असवाल ने बारी-बारी से जनसमस्याओं को सुना और उचित कार्रवाई के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों से जवाब तलब किया। सुबह से हो रही रिमझिम बारिश के बीच तहसील दिवस में 22 लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। तहसील कर्मियों ने जनसमस्याओं को रजिस्टर में दर्ज किया और सुनवाई के लिए लोगों को एसडीएम के पास भेजा। दोपहर एक बजे के बाद लोगों के नहीं पहुंचने पर तहसील दिवस सिमट गया। नायब नाजिर बाबर खान ने बताया कि तहसील दिवस में 14 मामले समाज कल्याण विभाग की पेंशन से जुड़े आए, इनका मौके पर ही निस्तारण कर दिया। जबकि दो मामले तहसील, दो लोनिवि, एक नगर निगम और एक सिंचाई विभाग से जुड़ा था। इन पर कार्रवाई के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। मौके पर एसडीओ ऊर्जा निगम अरविंद नेगी, सहायक अभियंता लोनिवि लक्ष्मीकांत गुप्ता, अवर अभियंता जल संस्थान पिंकी चंद, सहायक समाज कल्याण अधिकारी महेश प्रताप सिंह, चिकित्साधिकारी डॉ. बीएस टोलिया आदि मौजूद रहे।

मोटे अनाज से मिलने वाले पोषण की जानकारी दी

विकासनगर। पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र चकराता में कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं को मोटे अनाज से मिलने वाले पोषण से सम्बंधित जानकारी दी गयी। बाल विकास कार्यालय के समीप स्थित आंगनबाड़ी केंद्र चकराता में आयोजित पोषण पखवाड़ा 2023 के अंतर्गत मोटे अनाजों से मिलने वाले पोषण के सम्बंध में जानकारी दी गयी।

आज भी जस की तस हैं विधानसभा के आसपास बसे गांवों की समस्याएं

चमोली। गैरसैंण को प्रदेश की ग्रीष्मकालीन राजधानी बने तीन वर्ष से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन विधान सभा परिसर के ईद-गिर्द बसे गांव की समस्याएं आज भी जस की तस हैं। सिलपाटा विकास संघर्ष समिति के अध्यक्ष खीम सिंह नेगी का कहना है कि क्षेत्र के अधिकांश गांव सड़क मार्ग से जुड़ गए हैं, लेकिन अनुसूचित जाति का गांव चुरमुटी आज भी सड़क मार्ग से दूर है इस कारण ग्रामीणों का डेढ़ किमी पैदल ही सफर करना पड़ता है। कहा कि सुगड़ बैंड-सिलपाटा मार्ग को बने 12 वर्ष का समय बीत गया है, लेकिन मार्ग रखरखाव के अभाव में सड़क दुर्घटनाओं को न्योता दे रहा है।

लगातार वर्षा होने से जलस्रोत हो सकते है रिचार्ज

विकासनगर। पिछले महीनों में वर्षा ना होने से गर्मियों में जल श्रोतों के सूख जाने की आशंका पैदा हो गयी थी। जिससे पहाड़ी क्षेत्र जौनसार बावर में गर्मियों में जलश्रोतों के सूख जाने की आशंका पैदा हो गयी थी, लेकिन मार्च माह में लगातार नौ दिन से बारिश होने व ओलावृष्टि होने से जल श्रोतों के रिचार्ज होने के आसार बढ़ गये हैं। जिससे क्षेत्र में गर्मियों में पेयजल संकट से लोगों को निजात मिल सकती है।

बारिश के चलते पहाड़ों में रवि की फसल को भी वर्षा से लाभ मिलेगा। पशुओं के लिए हरी घास व चारे की कमी नहीं हो सकेगी। दैनिक मजदूरी, दैनिक कृषि कार्य, घास पत्ती, ईंधन की लकड़ी, व्यापार, आवागमन आदि पर बुरा असर पड़ा है। तापमान गिरने से लोग घरों से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं जिससे कारोबार ठप हो गया है।

इन दिनों पहाड़ी क्षेत्रों में नकदी मटर की फसल को तूड़ान व मंडी तक पहुंचाने में भी वर्षा बाधा उत्पन्न कर रही है। किसान लगातार बारिश के चलते खेतों से मटर नहीं तोड़ पा रहे हैं, जिससे फसल बर्बाद हो रही है।

नारी शक्ति उत्सव के स्प में मनाए जाएंगे चैत्र नवरात्र

रुद्रप्रयाग। शासन के निर्देशों पर बुधवार चैत्र नवरात्र को नारी शक्ति उत्सव के रूप में मनाया जाएगा। इसके लिए जनपद में तैयारियां कर दी गई है। मुख्य विकास अधिकारी नरेश कुमार ने आयोजन के लिए अधिकारियों की बैठक ली और जरूरी दिशा निर्देश दिए। कलक्ट्रेट में आयोजित बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि चैत्र नवरात्र को नारी शक्ति उत्सव के रूप में मनाए जाना है, जिसके लिए जनपद के विभिन्न धार्मिक स्थलों में धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

होंगे। आयोजन की सफलता के लिए जनपद के प्रसिद्ध व सिद्धपीठ मंदिरों में चैत्र महा नवरात्र कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जखोली ब्लॉक के सिद्धपीठ मठियाणा देवी मंदिर, अगस्त्यमुनि ब्लॉक के हरियाली देवी मंदिर और ऊखीमठ ब्लॉक के सिद्धपीठ कालीमठ मंदिर के साथ ही मुख्यालय स्थित संगम स्थल पर अवस्थित चामुंडा देवी मंदिर में नवरात्र कार्यक्रम आयोजित होंगे। इसके लिए जनपद स्तर पर जिला विकास अधिकारी की अध्यक्षता में समिति का गठन किया गया है, जिसमें जिला कार्यक्रम अधिकारी बाल विकास, परियोजना निदेशक डीआरडीए, जिला युवा कल्याण अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी को सदस्य नामित किया गया है।

सात दिवसीय एनएसएस शिविर संपन्न

चमोली। शहीद जगदीश प्रसाद पुरोहित राजकीय महाविद्यालय नंदानगर का सात दिवसीय एनएसएस शिविर संपन्न हो गया है। बैरासकुंड गांव में आयोजित हुए शिविर में छात्र-छात्राओं ने साफ- सफाई के साथ ही क्षेत्र में जन जागरुकता कार्यक्रमों का आयोजन भी किया। कार्यक्रम अधिकारी डा. दीपक कुमार और फरीन रानी के नेतृत्व में छात्र-छात्राओं ने नशामुक्ति और प्लास्टिक उन्मूलन रैली भी आयोजित की।

प्रतिनिधि मंडन ने पर्यटन मंत्री से हनोल मास्टर प्लान को धरातल पर उतारने की मांग की

विकासनगर। महासू मन्दिर समिति हनोल के पदाधिकारियों ने पर्यटन धर्मस्व मन्त्री से मिलकर हनोल के विकास के मास्टर प्लान के सम्बन्ध में चर्चा की। क्षेत्र में सड़क पुल निर्माण की मांग की। महासू पवासी देवता के पाशी बिल बजीर जयपाल सिंह पंवार के नेतृत्व मे समिति का एक प्रतिनिधि मंडल मंगलवार को पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज से मिला। बजीर जयपाल सिंह पंवार ने मन्त्री से कैबिनेट में हनोल के मास्टर प्लान प्रस्ताव पारित होने पर उनका आभार प्रकट किया। प्रतिनिधिमंडल ने प्लान को शीघ्र धरातल पर उतारने की मांग की। साथ ही हनोल ठडियार मोटर मार्ग टौंस नदी पर पवासी मन्दिर को जोड़ने के लिए पुल व भकवाड़ से आठ किलोमीटर सड़क भगीयार ठडियार तक जोड़ने की मांग की। पर्यटन मंत्री ने समिति को आश्वस्त किया कि हनोल को बद्रीनाथ धाम की तर्ज पर विकसित किया जायेगा। पर्यटकों को रहने ठहरने खाने से लेकर हर तरह कि सुविधा मुहैया करा जायेगी। प्राचीन पौराणिक महत्व के साथ साथ आधुनिक सुख सुविधाएं प्रदान की जायेगी।

नाली मरम्मत के नाम पर लाखों खर्च, फिर भी तालाब बन गई सड़कें

नालियों की सफाई नहीं होने से सड़कों पर जमा हुआ बारिश का पानी , जगह-जगह जमा गंदे पानी के कारण आमजन को उठानी पड़ी समस्याएं

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शहर में नालियों की मरम्मत व सफाई के नाम पर नगर निगम ने लाखों रुपये खर्च कर दिए। लेकिन, पिछले तीन दिन से हो रही बारिश ने निगम के इन कार्यों की पोल खोलकर रख दी। शहर की नालियां चोक होने से सड़कें तालाब के रूप में तब्दील हो गई। जगह-जगह सड़क पर पानी जमा होने से आमजन को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

कोटद्वार नगर निगम बनने से शहरवासियों को बेहतर विकास की उम्मीद थी। लेकिन, नगर निगम सड़क किनारे नालियों की सफाई भी नहीं करवा पा रहा है। नतीजा तीन दिन से हो रही बारिश से सड़कें लबालब पानी से भर गई। मंगलवार को शहरवासी सड़क पर उतरे तो उनका पैदल चलना भी मुश्किल हो गया था। सबसे बुरी स्थिति देवी रोड, पुराना सिद्धबली मार्ग सहित भाबर क्षेत्र की कई सड़कों पर देखने को मिली। गंदा पानी लोगों के घरों के पास तक जमा हो गया है। देवी रोड निवासी सुधीर कुमार, बबीता देवी, मुन्नी देवी ने बताया कि थोड़ी सी बारिश ने शहर की सड़कों को तालाब बना दिया है। यदी जल्द ही नालियों की सफाई का कार्य नहीं किया गया तो बरसात में स्थिति और विकराल हो सकती है। यही नहीं वार्ड क्षेत्रों में भी मार्गों पर कीचड़ जमा हो गया है। गंदे पानी से उठ रही दुर्गंध के कारण बीमारियों का खतरा बना हुआ है।

लोग भी दिखा रहे लापरवाही

बरसात के पानी की बेहतर निकासी के लिए सड़कों के किनारे नालियां बनाई गई है। लेकिन, कई लोग घरों का कूड़ा नालियों में डाल देते हैं। जिससे पानी की निकासी नहीं हो पाती। यही नहीं बरसात में नालियों की गंदगी भी सड़कों पर जमा हो जाती है। कई स्थानों पर तो अतिक्रमण के कारण नालियों का अस्तित्व ही समाप्त हो चुका है।

कोटद्वार के देवी रोड में बारिश के बाद तालाब बनी सड़क

यात्रा से वापस लौटा समिति का दल

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : श्री बालाजी मन्दिर सेवक समिति कोटद्वार का 60 सदस्यीय दल वृंदावन, श्री बालाजी, श्री खाटू श्याम, सालासर धाम, दादी राणी सती, झुंझूनू, चुलकाना धाम दर्शन कर वापस लौट गया है।

श्री बालाजी मन्दिर सेवक समिति का 60 सदस्यीय दल चुलकाना धाम मंदिर के दर्शन किये। श्याम बाबा से सुख शांति समृद्धि की मनोकामनाएं कर दर्शन करने के बाद सभी सदस्यों ने श्याम बाबा से सकुशल घर वापसी की इजाजत ली। यात्रा दल के सदस्य सागर राजपूत ने बताया कि सुशील भाटिया के नेतृत्व में 60 सदस्यीय दल ने 16 मार्च को वृंदावन में निधिवन, श्री बाँके बिहारी लाल, प्रेम मंदिर,17 मार्च को मेहंदीपुर श्री बालाजी धाम मे श्री बालाजी महाराज, भैरव बाबा, प्रेतराज सरकार, दीवान सरकार, राम मंदिर, एक पहाड़ पर स्थित शिव मंदिर, काली माता मन्दिर, अंजनी माता मन्दिर, बर्फानी धाम,151 फीट के हनुमान जी, सुरसा गुफा के दर्शन कर गुरु महाराज महंत धीरज पुरी गोस्वामी से आशीर्वाद प्राप्त किया, 18 मार्च को श्री खाटू श्याम जी मन्दिर, सालासर बालाजी धाम के दर्शन करे, 19 मार्च को दादी राणी सती मन्दिर झुन्झुनूं पहुँचकर दर्शन कर,चुलकाना धाम श्री श्याम बाबा के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त करके कोटद्वार के लिए वापसी प्रस्थान किया यात्रा दल में सुशील भाटिया, सागर राजपूत, सोहन क्षेत्री, हरीश अरोड़ा, प्रियांशु भट्ट, शिवम, विवेक, टोनी, टीना, मुनेश, राघव, रामेश्वरी देवी, मीना थापा, विमला गुसाईं, प्रियाशी, बाल सिंह, गुड्डी देवी, जयप्रकाश पोखरियाल, महिपाल सैनी, मनीषा, अजय, किरन, पूजा सैनी, उषा देवी, मंजू, रचना, लक्ष्मी, पूजा जुयाल, पुष्पा भट्ट, सतीश भट्ट, पवित्रि देवी, मीना शर्मा, देवेन्द्र, मुन्नू सैनी, देवेन्द्र कर्णवाल, ऊषा देवी, चन्द्रकला लक्ष्मी नेगी, शरद नेगी, पीयू, अखिलेश घिडियाल, ऋतम्बरा, बीना नेगी, सचिन नेगी, विनीता रावत, पुष्पा रावत, सतीश, सुशीला देवी, नवीन बलोधी, अन्नत बलोधी, सुनीता घिल्डियाल आदि भक्तजन उपस्थित रहे।

धार्मिक स्थालों की यात्रा करते समिति के सदस्य

साइबर सेल ने वापस दिलवाई ठगी की रकम

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : जनपद पौड़ी पुलिस की साइबर सेल ने साइबर ठगों के झांसे में आए चार व्यक्तियों के खातों से ठगी के 78,634 की धनराशि को वापस कराने में सफलता प्राप्त की है।

प्रभारी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद पौड़ी सुखवीर सिंह द्वारा साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए गठित साइबर सेल को जनपद में साइबर फ्रॉड संबंधी शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया गया है। जिसके क्रम में पुलिस उपाधीक्षक ऑपरेशन विभव सैनी के पर्यवेक्षण में साइबर सेल द्वारा तत्परता से कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में सेल द्वारा आवेदक अभिषेक निवासी नन्दपुर, थाना कोटद्वार के खाते से ठगी 54,892 में से 46,000, आवेदक हर्षिल भण्डारी, निवासी मनोहर नगर, कोटद्वार के खाते से कटी 11000, आवेदक दीपक ध्यानी, निवासी पौड़ी के खाते से कटी 20,000 रुपये की धनराशि में से 10,000 व आवेदक जितेन्द्र, निवासी-शिवपुर, कोटद्वार के खाते से कटी 11,634 रूपये की धनराशि को आवेदक के खाते में वापस कराया गया। आवेदकों की धनराशि उनके खातों में प्राप्त हो चुकी है। जिस पर आवेदकों द्वारा पौड़ी पुलिस का धन्यवाद किया गया।

प्रधानमंत्री आवास योजना के नाम पर आनलाइन ठगी

ठगी के शिकार होने के बाद कोतवाली में पहुंची महिला व अन्य लोग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कोटद्वार शहर में ऑनलाइन ठगी के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। मंगलवार को साइबर अपराधियों ने प्रधानमंत्री आवास योजना के नाम पर एक महिला से 2600 रुपये ठग लिए। महिला ने कोतवाली में पहुंचकर पुलिस से ठगी गई रकम को वापस दिलवाने की मांग की है।

कोतवाली पहुंची दुर्गापुरी निवासी पिंकी देवी ने बताया कि उन्होंने कुछ माह पूर्व प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए आवेदन किया था। मंगलवार सुबह उनके मोबाइल पर अज्ञात नंबर से फोन आया। फोन करने वाले व्यक्ति ने बताया कि वह प्रधानमंत्री आवास योजना कार्यालय से बात कर रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए भेजे गए दस्तावेजों के आधार पर उनका चयन किया गया है। आवास निर्माण के लिए मिलने वाली ढाई लाख रुपये की धनराशि को प्राप्त करने के लिए उन्हें विभाग के खाते में सेवा शुल्क के रूप में 2600 रुपये जमा करने होंगे। पिंकी ने बताया कि उक्त व्यक्ति पर भरोसा कर वह दुर्गापुरी स्थित सीएचसी सेंटर में पहुंची और व्यक्ति द्वारा भेजे गए खाते में पैसे डलवा दिए। लेकिन, कुछ देर बाद उक्त व्यक्ति का दोबारा फोन आया और छः हजार रुपये पुनः खाते में डालने को कहा। बताया कि शक होने पर जब उन्होंने अपने परिचितों से इस बारे में बात की तो पता चला उक्त व्यक्ति साइबर अपराधी था। उपनिरीक्षक जगमोहन रमोला ने बताया कि आमजन को साइबर अपराध के प्रति जागरूक करने के लिए समय-समय पर अभियान चलाया जाता है। लोगों से किसी भी अनजान व्यक्ति को अपने खाते से संबंधित जानकारी नहीं देने की भी अपील की जाती है। बताया कि महिला की तहरीर के आधार पर पूरे मामल की जांच की जा रही है। बैंक से बात कर रकम को वापस दिलवाने का प्रयास किया जाएगा।

होली पर आया छुट्टी, स्मैक के साथ हुआ गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : मुंबई के एक होटल में नौकरी करने वाले युवक को पुलिस ने 6.27 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। युवक के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। वरिष्ठ उपनिरीक्षक जगमोहन रमोला ने बताया कि मंगलवार सुबह झूला बस्ती क्षेत्र में गश्त के दौरान पुलिस को एक युवक के कब्जे से स्मैक बरामद हुई। बताया कि आरोपित झूला बस्ती निवासी गणेश सिंह के रूप में हुई है। पूछताछ में गणेश ने बताया कि वह मुंबई के एक होटल में काम करता है। होली पर वह अपने घर आया हुआ था। बताया कि वह स्मैक के नशे का आदी है। सोमवार को वह उत्तर प्रदेश के जिला बिजनौर से स्मैक खरीदकर लाया था।

कोटद्वार कोतवाली में स्मैक के साथ पकड़ा गया युवक

बारिश की वजह से नहीं हुई प्रतियोगिताएं

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जीबी पंत तकनीकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान घुड़दौड़ी की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता जोश का आयोजन बारिश के कारण नहीं हो सका है। ये प्रतियोगिताएं बीते शुक्रवार से शुरू हुई थी, लेकिन एक दिन के बाद ही मौसम का मिजाज बदल गया और तब से लगातार बारिश के होने से अंतिम दौर की प्रतियोगिताओं का आयोजन नहीं हो सका है। हर साल इंजीनियरिंग कॉलेज के दो सौ से अधिक छात्र-छात्राएं इन खेलकूद प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेते हैं। जिसमें बालीवॉल, कबड्डी, क्रिकेट, बैंडमिंटन आदि प्रतियोगिताएं होती है। कॉलेज के मीडिया प्रभारी डॉ किरीट सेमवाल ने बताया कि मौसम के ठीक होते ही शेष प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

रोबर्स, रेंजर्स ने बताए अपने अनुभव

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : डॉक्टर पीतांबर दत्त बड़थ्वाल हिमालयन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार के रोवर्स/ रेंजर्स इकाई की ओर से एम्बुलेंस मैन बैज प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत छः दिवसीय प्रशिक्षण के समापन हो गया। इस दौरान राबर्स, रेंजर्स ने अपने अनुभव के बारे में बताया

इस अवसर पर प्राचार्य प्रोफेसर जानकी पंवार ने कहा कि हमे अपने जीवन में सीखने की कला को निरंतर गति देनी है, ताकि जीवन में प्रगति के पथ पर अग्रसर हुआ जा सके और रोवर्स रेंजर्स हमे ये ही सिखाता है। छात्रा साक्षी ने बताया कि कोटद्वार प्राथमिक चिकित्सालय में 3 दिन के प्रशिक्षण शिविर में फर्स्ट एड सीखा। छात्रा आंचल ने बताया कि सिद्धबली मंदिर में 3 दिन के सेवा के अन्तर्गत सफाई, आगंतुकों का स्वागत आदि काम किए गए। छात्र आदीप, कुलदीप, दिव्यांशु ने अपने-अपने अनुभव साझा किये।

रोवर्स प्रभारी डॉक्टर जुनीश कुमार ने बताया कि एम्बुलेंस मैन बैज प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत बाबा सिद्धबली मंदिर परिसर एवं कोटद्वार प्राथमिक चिकित्सालय में 3-3 कुल 6 दिन का प्रशिक्षण रोवर्स रेंजर्स द्वारा लिया गया। रेंजर्स प्रभारी डॉ. सुषमा थलेड़ी ने चिकित्सालय कोटद्वार एवं बाबा सिद्धबली मन्दिर समिति का आभार व्यक्त किया। पूरे अभियान को डॉ. अरुणिमा, डॉ. सुरभि मिश्रा, डॉ. अंकेश चौहान, डॉ. हीरा सिंह ने रोवर्स रेंजर्स प्रभारियों के साथ विशेष सहयोग किया। इस अवसर पर एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. प्रवीन जोशी, डॉ. धनेंद्र कुमार, डॉ. अभिषेक गोयल, डॉ. देवेन्द्र चौहान, डॉ. मुकेश रावत, डॉ. रोशनी असवाल आदि उपस्थित रहे।

महाविद्यालय में कार्यक्रम के दौरान मौजूद रोबर्स, रेंजर्स

नयार नदी में गिरा वाहन, चालक की मौत

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : सतपुली क्षेत्र के अंतर्गत चौमासू मोटर मार्ग पर एक बोलेरो वाहन अनियंत्रित होकर नयार नदी में गिर गया। हादसे में वाहन चालक की मौत हो गई। जबकि, गंभीर रूप से घायल एक अन्य व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना मंगलवार शाम की है। ग्राम चौमासूधार निवासी चेतन 30 वर्ष सतपुली बाजार से अपने गांव जा रहा था। वाहन में उसके के गांव का रहने वाला अरविंद 30 वर्ष भी सवार था। सतपुली से कुछ दूर चौमासू मोटर मार्ग पर अचानक वाहन अनियंत्रित हुआ और नदी में गिर गया। आसपास मौजूद लोगों की सूचना के बाद घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने राहत बचाव कार्य शुरू कर दिए। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना में चेतन की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, गंभीर रूप से घायल अरविंद को उपचार के लिए हंस अस्पताल पहुंचाया गया है।

सड़क दुर्घटना में घायल का नयार नदी से रेस्क्यू करते हुए।

पर्यटन नगर लैंसडौन का किया भ्रमण

कोटद्वार : समग्र शिक्षा के आलोक और राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत पोखड़ा ब्लॉक के अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कालेज सकनोलीखाल के छात्र-छात्राओं ने पर्यटन नगरी लैंसडौन का शैक्षिक भ्रमण किया। शैक्षिक भ्रमण के अंतर्गत छात्रों ने दरबान सिंह नेगी संगहालय, वार मैमोरियल, जसवंत सिंह नेगी द्वार, गिरिजाघर, टिफिन टाप व भुल्ला ताल का भ्रमण किया और जानकारियां एकत्रित की। भ्रमण में शिक्षक अभय सिंह व विप्लव कुमार ने छात्रों का मार्ग दर्शन किया।

ऑनलाइन पंजीकरण के विरोध में होटल कारोबारियों ने किया प्रदर्शन

श्रीनगर गढ़वाल : होटल एसोसिएशन श्रीनगर ने गोला पार्क में सरकार के खिलाफ व विरोध प्रदर्शन किया। होटल कारोबारी उत्तराखंड सरकार द्वारा चारधाम यात्रा को लेकर जारी विसंगत ऑनलाइन पंजीकरण नीति के विरोध में मुखर हो रखे है। होटल कारोबारियों ने सरकार के इस निर्णय को अविवेकपूर्ण अव्यवहारिक बताया। विरोध प्रदर्शन में टैक्सी यूनियन के पदाधिकारी व सदस्य भी शामिल हुए।

विरोध प्रदर्शन के दौरान होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष अप्पल रतूड़ी एवं होटल एसोसिएशन के पूर्व सचिव नरेश नौटियाल ने सरकार की इस असंगत व अव्यवहारिक यात्रा नीति की कड़े शब्दों में भर्त्सना की। कहा वर्ष भर में महज दो महीने चलने वाली यात्रा पर असंगत अकुंश लगाकर पर्यटन कारोबारियों के रोजगार को खटाई में डालने वाले इस निर्णय को सरकार अविलंब वापिस लिया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार की इस रजिस्ट्रेशन नीति के चलते या तो होटल की अग्रिम बुकिंग हो ही नही रही हैं या हो भी रही हैं तो वह निरस्त हो जा रही हैं। उन्होंने कहा कि होटल कारोबारियों के भारी भरकम खर्च होते हैं व अनेकों स्टॉफ की रोजी रोटी जुड़ी होती है जो कि इन दो माह की यात्रा पर ही निर्भर होती है। यदि इन दो महीनों में होटलों को बुकिंग नहीं मिलेगी तो उनको जीवोकोपार्जन की दिक्कतें हो जाएंगी। विरोध प्रदर्शन में होटल एसोसिएशन के दीपक नौटियाल, अमित बिष्ट, श्रीराम विश्नोई आदि होटल कारोबारियों के साथ ही टैक्सी यूनियन से महिपाल सिंह, बद्री रावत, राजेन्द्र पटवाल, देवेंद्र बिष्ट, प्रमोद रावत,चन्द्र सिंह व करण सिंह आदि शामिल रहे। (एजेंसी)

किच्छा में झूलेलाल की जयंती पर निकाली शोभायात्रा

रुद्रपुर। झूलेलाल की जयंती पर श्रद्धालुओं ने ढोल–नगाड़ों के साथ शोभा यात्रा निकाली। इस दौरान उन्होंने भंडारे का भी आयोजन किया। जिसमें हजारों की संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

मंगलवार सुबह आवास विकास स्थित श्री झूले लाल पार्क में झूले लाल की मूर्ति के सामने पालिकाध्यक्ष दर्शन कोली, विधायक प्रतिनिधि गौरव बेहड़, झूले लाल सेवा समिति के अध्यक्ष गुलशन सिंधी और सभासद संदीप भुसरी ने पूजा–अर्चना की। इसके बाद नगर में झूलेलाल की शोभायात्रा निकाली गई।

यात्रा मुख्य मार्ग से होती हुए एमपी चौक, डीडी चौक, आवास विकास के बाद गुंजन पैलेस पहुंची। शोभा यात्रा में शामिल बाइक रैली में मौजूद लोगों ने झूलेलाल महाराज के जयकारे लगाए। शोभायात्रा के समापन पर गुंजन पैलेस में भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। यहां रविंद्र आयलानी, विष्णु वास–ावानी, ताराचंद सिंधी, सुंदर साहनी, दिलीप आयलानी, मनोहर लाल माखीजा, देवा सिंधी, विजय बागवानी, टोपन दास रहे।

गुलदार के आतंक से निजात दिलाने की मांग

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा नगर में बढ़ रहे गुलदार के आतंक से लोग दहशत में हैं। इसी को देखते हुए पालिकाध्यक्ष प्रकाश चंद्र जोशी ने प्रभागीय वनाधिकारी को पत्र लिख गुलदार के आतंक वाले इलाकों में पिंजरा लगाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि गुलदार की धमक से लोग भयभीत हैं।

चीनाखान, पांडेखोला समेत नरसिंहबाड़ी व अन्य इलाकों में लगातार गुलदार चहलकदमी करते दिखाई दे रहे हैं।

स्याल्दे–बिखौती मेले की भव्यता के लिए हर संभव होंगे प्रयास : विधायक

अल्मोड़ा। पाली–पछाऊं का ऐतिहासिक स्याल्दे–बिखौती मेले की तैयारियों को लेकर हुई बैठक में तमाम मुद्दों पर चर्चा हुई। विधायक मदन सिंह बिष्ट ने मेले को भव्य और आकर्षक बनाने के लिए चार लाख रुपए की धनराशि देने की घोषणा की। कहा कि मेले हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं। हर संभव संरक्षित करने के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इसी माह मेला समिति के साथ मुख्यमंत्री से मुलाकात कर मेले को राज्य स्तरीय मेला घोषित करने आदि विषयों पर चर्चा की जाएगी। नगर पंचायत एवं मेला समिति अध्यक्ष मुकुल साह की अध्यक्षता एवं सचिव नारायण रावत की संचालन में हुई बैठक में ब्लॉक प्रमुख दीपक किरौला ने भी हर संभव मदद का भरोसा दिया। बैठक में आल, गरख और न्यौज्यूला पार्टी के थोकदार, ग्राम प्रधान समेत ग्रामीण और नगर क्षेत्र के गणमान्य नागरिक और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। मेला समिति के उपाध्यक्ष हेम रावत, नारायण अधिकारी, मुकुल चौधरी, जगत रौतेला, गोविंद अधिकारी, विमल साह, केपीएस अधिकारी आदि ने भी सुझाव दिए। बताया कि 13 अप्रैल से से मेला शुरू होगा। 14 अप्रैल को छोटी स्याल्दे जबकि 15 को मुख्य मेले का आयोजन किया जाएगा। वहीं 16 और 17 अप्रैल को मीना बाजार लगेगा। विधायक बिष्ट ने पुलिस–प्रशासन, विद्युत विभाग, जल संस्थान आदि अधिकारियों को व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मेले में संस्कृति विभाग से सांस्कृतिक दलों के अलावा स्थानीय स्कूलों व विभिन्न संस्थानों के छात्र–छात्राओं द्वारा भी रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए जाएंगे। लोक कलाकारों को भी बुलाया जाएगा।

चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी महासंघ का चुनाव 17–18 को

हल्द्वानी। चतुर्थ वर्गीय राज्य कर्मचारी महासंघ शाखा हल्द्वानी ने मंगलवार को संघ भवन में बैठक का आयोजन किया। शाखा अध्यक्ष मोहन राम की अध्यक्षता में हुई बैठक में शाखा का अधिवेशन व चुनाव 17 व 18 अप्रैल कराने का निर्णय लिया गया। संगठन पदाधिकारियों ने कर्मियों की समस्याओं और पुरानी मांगों को लेकर चर्चा की। पुराने मामलों का समाधान न होने पर सभी ने रोष प्रकट किया। सभी वक्ताओं ने प्रशासन पर उनके प्रति सौतेला व्यवहार किए जाने का आरोप लगाया। कहा कि अगर उनकी मांगे पूरी नहीं की गई तो वे प्रदेशव्यापी आंदोलन करेंगे। बैठक में केदार सिंह जिला अध्यक्ष, देवेंद्र सिंह बोरा, सुरेश यादव, प्रकाश पांडे, मोहन चंद्र उपाध्याय, चंद्र सिंह, रमेश गिरी, हरीश मटियाली, खीम सिंह, नंदा बल्लभ पांडे आदि लोग मौजूद रहे।

नियुक्ति की मांग पर अड़े रहे पशु मित्र

चम्पावत। आरसेटी से प्रशिक्षण प्राप्त पशु मित्रों का संविदा में नियुक्ति की मांग को लेकर सातवें दिन भी क्रमिक अनशन जारी रहा। उन्होंने सकारात्मक कार्रवाई न होने पर आंदोलन जारी रखने की मांग उठाई। मंगलवार को तहसील परिसर में पशु मित्र संगठन के जिलाध्यक्ष पंकज कुमार के नेतृत्व में पशु मित्रों ने प्रदर्शन करते हुए कहा कि आरसेटी ने बीते साल दो माह का प्रशिक्षण देकर उनको आश्वासन दिया था कि संविदा के पद पर नौकरी मिलेगी। लेकिन अब तक इस पर कोई कार्रवाई नहीं हो पाई। उन्होंने कहा कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होती है वह क्रमिक अनशन जारी रखेंगे। यहां अशोक मुरारी, सुनील फर्त्याल, गिरीश फर्त्याल, गिरीश ढेक, भूमि पुजारी, हिमांशु तिवारी, पीयूष भट्ट रहे।

नशामुक्ति हस्ताक्षर अभियान चलाया

चम्पावत। पीजी कॉलेज चम्पावत में नशामुक्त भारत अभियान के तहत हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। जिसके माध्यम से छात्र–छात्राओं ने हस्ताक्षर कर नशामुक्ति की शपथ ली।

मंगलवार को प्रधानाचार्य डॉ प्रणीता नंद की अध्यक्षता में आयोजित कार्यशाला में छात्र–छात्राओं ने छात्र संघ अध्यक्ष मनीष महर के नेतृत्व में नशामुक्ति हस्ताक्षर अभियान चलाया। इस दौरान छात्र–छात्राओं ने महाविद्यालय परिसर से फुलारा गांव तक रैली निकालक लोगों हस्ताक्षर आभियान से जोड़कर नशो मुक्ति की शपथ दिलाई।

टनकपुर–बनबसा में जगह–जगह हुआ जलभराव

चम्पावत। टनकपुर–बनबसा में भारी बारिश के कारण जगह–जगह जलभराव की स्थिति बन गई। बारिश के कारण नगर से लेकर ग्रामीण इलाके जलमग्न हो गए।

इधर बारिश से काश्तकारों को काफी नुकसान उठाना पड़ा है। मंगलवार सुबह से हुई बारिश से नगर के कई जगहों में जलभराव हो गया।

इस दौरान काश्तकारों की खेतों में खड़ी गेहूं की फसल जमीन में ढह गई। जबकि कई काश्तकारों की कटी फसल को भी काफी नुकसान झेलना हुआ है। बस्तिया के काश्तकार हरीश लापड़, जगत सिंह, खड़क सिंह, मान सिंह, जगदीश सिंह आदि ने बताया कि बारिश और तेज हवा के कारण खेतों में खड़ी गेहूं की फसल पूरी तरह से ढह गई है। उन्होंने संबंधित विभाग से मौका मुआयना कर उचित मुआवजा दिए जाने की मांग की है। एसडीएम सुंदर सिंह ने बताया कि संबंधित विभाग को फसलों को हुई क्षति का आगणन तैयार करने को कहा गया है।

मीट मार्केट में ही खुलें मीट की दुकानें

बागेश्वर। नगर के कई स्थानों पर मीट, मुर्गा और मछली की दुकानें संचालित हो रही हैं। इसपर जिला बार ऐसोसिएशन में आक्रोश जताया है। उन्होंने डीएम से शिकायत कर दुकानों को व्यवस्थित कराने की मांग की है। मंगलवार को जिला बार ऐसोसिएशन के अध्यक्ष विनोद भट्ट के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने डीएम को ज्ञापन दिया। उन्होंने कहा कि बाबा बागनाथ की नगरी में मांस की दुकानें जगह–जगह खुल गई हैं। जबकि पालिका ने भागीरथी नाले के ऊपर मीट मार्केट बनाया है। जहां अभी तक स्लाटर हाउस नहीं है। यहां के अतिरिक्त दुकानें भी संचालित हो रही हैं। अवैध रूप से दुकानों का संचालन हो रहा है। जगह–जगह गंदगी बनी हुई है। जिससे पर्यटकों को भी परेशानी हो रही है।

देवभूमि में पहले तो शराब और मांस की दुकानें शहर से दूर होनी चाहिए थी। लेकिन ऐसा नहीं हो सका है। उन्होंने अवैध रूप से संचालित हो रही दुकानों को बंद कराने की मांग की है। ऐसा नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

पर्यावरण प्रदूषण पर कार्यशाला हुई

चम्पावत। पीजी कॉलेज में विश्व वानिकी दिवस पर नमामि गंगे स्वच्छता पखवाड़ा अभियान के तहत पर्यावरण प्रदूषण पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ प्रणिता नंद ने की। इस दौरान नमामि गंगे के नोडल अधिकारी डॉ. विवेक कुमार ने यह बताया कि पर्यावरण प्रदूषण से बचने के लिए अत्यधिक पेड़ लगाने चाहिए तथा प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन से होने वाले नुकसानों के बारे में जानकारी दी। जिसमें प्रदीप, पंकज, दीया, सागर आदि रहे।

राज्य आंदोलनकारियों से एकजुट होने का आह्वान

हल्द्वानी। राज्य आंदोलनकारी समाज संगठन के प्रदेश संयोजक हुकुम सिंह कुंवर ने राज्य आंदोलन के शहीदों के सपनों का राज्य बनाने के लिए काम करने की अपील की।

मंगलवार को हुई बैठक में कुंवर ने कहा कि राज्य आंदोलनकारी स्थाई राजधानी, मजबूत भू कानून, पलायन, बेरोजगारी, महिलाओं, युवाओं की आवाज बनकर आगे आएं। राज्य गठन की अवधारणा के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि राज्य आंदोलन में हजारों लोगों ने भागीदारी की थी पर उनका चिह्नीकरण नहीं हो पाया। बैठक में राज्य आंदोलनकारी डॉ. केदार पलड़िया, कमल जोशी, बृजमोहन सिजवाली, भुवन तिवारी, डॉ. बालम सिंह बिष्ट, विनोद घड़ियाल, दीवान सिंह बिष्ट, खड़क सिंह बगड़वाल, अनीता बर्गली, रमेश जोशी, पीसी दानी, देवीदत्त ढौंडियाल, दीपक रौतेला, राजेंद्र सिंह आदि रहे।

पेंशन से काटी जा रही अंशदान की राशि करें वापस

बागेश्वर। उत्तराखंड राज्य कर्मचारी–अधिकारी एवं शिक्षक पेंशनर्स संगठन ने स्वस्थ्य योजना में मासिक पेंशन से काटे जा रहे अंशदान को वापस करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा नहीं हुआ तो वह आंदोलन और न्यायालय की शरण में जाएंगे। मंगलवार को संगठन ने राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण को ज्ञापन भेजा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य योजना यानी एसजीएचएस के तहत पेंशनरों की मासिक पेंशन से अंशदान काटा जा रहा है। जिसका उन्हें लाभ नहीं मिल रहा है। उन्होंने काटी गई धनराशि को वापस करने की मांग की। कहा कि यदि 31 मई तक प्राधिकरण ने कटौती की गई धनराशि नही वापस की तो वह न्यायालय की शरण में जाएंगे। यहां अध्यक्ष केशवानंद जोशी, जिला मंत्री नारायण सिंह गढ़िया रहे।

जयपुरिया स्कूल में आयोजित हुआ रक्तदान शिविर

सितारगंज ।सेठ आनन्दराम जयपुरिया स्कूल सितारगंज में स्व० बालकिशन देवकी जोशी चेरिटेबिल ब्लड बैंक के सहयोग से आयोजित रक्तदान शिविर का उद्घाटन भाजपा जिलाध्यक्ष कमल जिन्दल ने फीता काटकर व मां सरस्वती के चित्र सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया ।भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि रक्तदान महादान है,समय समय पर कैम्प के माध्यम से दानदाताओं के द्वारा रक्त दिया जाना पुण्य का कार्य है। कार्यक्रम के अध्यक्ष वरिष्ठ समाजसेवी उमेश अग्रवाल ने सभी रक्तदाताओं को प्रेरित करते हुऐ कहा कि हमारे द्वारा दिया गया रक्त जरुरतमंद व्यक्ति की जिन्दगी बचाने के काम आता है जो कि सराहनीय है। मैनेजिंग डायरेक्टर महेश मित्तल ने सभी का आभार जताया व बताया कि जयपुरिया परिवार पढ़ाई के साथ साथ सामाजिक दायित्वों का भी निर्वाहन करता है।ब्लड कैम्प में पुरुषों के साथ साथ महिलाओं ने भी प्रतिभाग कर रक्तदान किया।इस मौके पर ब्लड बैंक के डायरेक्टर प्रकाश मेहता, प्रधानाचार्य पंकज शर्मा,डायरेक्टर आकाश मित्तल,रक्तदान समिति के सरपरस्त राजीव गुप्ता,गौ योजना आयोग के सदस्य सतीश उपाध्याय,गुरवीर सिंह,सर्वजीत सिंह,प्रभजोत सिंह महार,शुभम सक्सैना, शुभम अग्रवाल,नन्दन भट्ट,आशीष शुक्ला,संयम गिरी ,मोहित आर्या,दीपक बोरा,दिनेश आईलानी, कपील बिश्ट,सूर्य कुमार,अमित राणा,रामकिशन,जसवन्त सिंह, अजय कुमार आदि मौजूद रहे।

मुख संबधित बीमारियों की जानकारी दी

चम्पावत। विश्व मुख स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य विभाग की ओर से शिविर का आयोजित किया गया। जिसमें ग्रामीणों और छात्र–छात्राओं को मुख संबधित रोगों और उनके बचावों की जानकारी दी।

मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग चम्पावत की ओर से राउमावि कफड़ा पाटी में स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। इस दौरान डेंटल सर्जन डॉ अरुण मिश्रा ने लोगों को मुख से संबधित रोगों की विस्तृत जानकारी दी। शिविर में 67 लोगों के दांतों, 50 लोगों के बीपी शुगर की जांच कर 30 लोगों को निकोटिक्स वितरित किए गए। यहां प्रधानाचार्य मनोहर सिंह नेगी, डॉ सुरेश चंद्र जोशी, डॉ ज्योति भट्ट, ममता मिश्रा, प्रवीण भट्ट, अमित पांडेय, प्रेम बल्लभ भट्ट, हरीश भट्ट रहे।

हैड़ाखान मार्ग पर गिरे पत्थर, जेसीबी ने हटाए

हल्द्वानी। मंगलवार सुबह बारिश के दौरान काठगोदाम–हैड़ाखान मार्ग पर पत्थर गिरने से यातायात बाधित हो गया। मौके पर मौजूद लोक निर्माण विभाग की टीम ने जेसीबी की मदद से पत्थरों को हटाकर यातायात शुरू कराया। बारिश को देखते हुए लोनिवि की टीम काठगोदाम–हैड़ाखान मार्ग पर डटी हुई है। वहीं बारिश से हल्द्वानी में कुछ नाले उफना गए, जिससे सड़कों पर पानी बहने लगा। वहीं नगर–निगम के वार्ड–59 में एक नाला उफनाने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। नाला ओवरफ्लो होने से नैनीताल रोड, नहर कवरिंग रोड, कालाढूंगी रोड समेत कई सड़कों पर कुछ देर के लिए पानी आ गया। वहीं उजाला नगर में सड़कें जलमग्न होने से लोगों को दिक्कतें हुई।

रामनगर में एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष का कांग्रेसियों ने किया विरोध

हल्द्वानी। रामनगर में एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष विकास नेगी को खुद कांग्रेस कार्यकर्ता का विरोध झेलना पड़ा। कांग्रेसियों ने आरोप लगाया कि विकास नेगी के कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर वह सोमवार से जुटे थे। लेकिन वह कांग्रेस कार्यालय में नहीं पहुंच कर अन्य जगह पहुंच गए। कांग्रेसियों के विरोध और तीखी नोकझोंक को देखते हुए विकास नेगी को लौटना पड़ा गया। मंगलवार को विकास नेगी का कार्यक्रम रानीखेत रोड स्थित कांग्रेस कार्यालय में सुबह 11 बजे तय किया गया था।

मरीजों को उपलब्ध कराएं बेहतर सुविधा

चम्पावत। डीएम नरेंद्र सिंह भंडारी ने जिला अस्पताल में मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जरूरत वाली सामग्री के प्रस्ताव उपलब्ध कराने को कहा। डीएम ने मंगलवार को जिला अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने इमरजेंसी, दंत रोग, फिजियोथेरेपिस्ट, पैथोलॉजी लैब, महिला वॉर्ड आदि की जानकारी ली। उन्होंने मरीजों से वार्ता कर समस्याएं जानी। डीएम ने जरूरत वाली सामग्री का प्रस्ताव उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कहा कि मरीजों को बेहतर उपचार देना डॉक्टर का कर्तव्य है। उन्होंने मेडिकल स्टॉफ से मनोयोग से कार्य करने को कहा। यहां पीएमएस डॉ.एचएस ऐरी समेत तमाम डॉक्टर रहे।

राजकीय प्राथमिक विद्यालय प्रबंधन पर उत्पीड़न का आरोप

सितारगंज। शक्तिफार्म के ग्रामीणों ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय प्रबंधन वर्ग पर अतिक्रमण के नाम पर उन्हें परेशान करने का आरोप लगाया है। ग्रामीणों का आरोप है कि विद्यालय की भूमि सरकारी योजना को हस्तांतरित हो चुकी है। जबकि उन्हें अतिक्रमण हटाने का नोटिस दिया जा रहा है।

शक्ति फार्म के वार्ड नंबर एक आजाद वार्ड ग्राम टैगोरनगर के ग्रामीण एसडीएम कार्यालय पहुंचे ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि करीब 50 वर्षों से वे भूमि पर काबिज हैं।

उनके पास हाउस टैक्स, विद्युत बिल, पानी बिल, राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र सभी तरह के सरकारी दस्तावेज हैं। भूमि से संबंधित दस्तावेजों के प्रति प्रमाण भी उनके पास थे। जो पूर्व में भीषण अग्निकांड में जलकर नष्ट हो गए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि राजकीय प्राथमिक विद्यालय शक्तिफार्म खास से अतिक्रमण नोटिस प्रमाण पत्र उन्हें मिले हैं। जो कि जिस भूमि पर वे लोग का काबिज है। वह जमीन जिला सहायता निवारण विभाग की है। ग्रामीणों ने दावा किया कि शिक्षा विभाग की भूमि अन्य सरकारी योजना के लिए हस्तांतरित की गई है।

शिक्षा विभाग का उनकी जमीन से कोई लेना देना नहीं है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि आप विद्यालय के प्रबंधन वर्ग और अध्यापक नोटिस भेजकर उन्हें बेवजह परेशान कर रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल के साथ मिलकर एशियन से मामले की उच्च स्तरीय जांच कराने के बाद राहत प्रदान करने की मांग की है। ज्ञापन देने वालों में रमेश राय, रमन जयसवाल, आकाश, दीनानाथ, लालमति, उत्तम शील, कुलदीप मौजूद रहे।

थलीसैंण और बीरोंखाल ब्लॉक में सर्वाधिक कुपोषित बच्चें

डीएम ने डीपीओ को लगाई फटकार, आंकडों को दुरूस्त करने को कहा

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा को लेकर जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने जिला कार्यालय सभागार में सम्बन्धित विभाग के अधिकरियों की बैठक ली। जिलाधिकारी ने जनपद में दर्ज कुपोषित बच्चों को कुपोषण से बाहर निकालने व एनिमिया से ग्रस्त गर्भवती महिलाओं में ब्लड की कमी को दूर करने के लिए विभाग को युद्ध स्तर पर कार्य करने के नर्देश दिये हैं। पीपीटी में दिखाये गये आंकडों में स्पष्टता न होने पर जिलाधिकारी ने डीपीओ को फटकार लगाते हुए आंकडों को दुरुस्त करने के निर्देश दिये हैं। जनपद के विकासखण्ड थलीसैंण व बीरोंखाल में सर्वाधिक कुपोषित बच्चें पंजीकृत है, जिसमें थलीसैंण के 44 तथा बीरोंखाल कें 28 बच्चें शामिल है। मंगलवार को आयोजित महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने जनपद में पंजीकृत 145 कुपोषित व 51 अति कुपोषित बच्चों को कुपोषण से बाहर निकालने के लिए मिशन-200 चलाने के निर्देश दिये है।

उन्होंने एनिमिया से ग्रस्त चिन्हित 8 महिलाओं महिलाओं को पोषण अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन से लाभान्वित कर एनिमियां दूर करने के निर्देश दिये हैं। डीएम ने कहा कि जनपद को कुपोषण मुक्त करने के लिए ब्लॉक स्तरीय बाल विकास परियोजना अधिकारियों को कुपोषित बच्चों व एनिमिक महिलाओं की देखभाल अपने बच्चों की तरह करनी होगी। कहा कि यही विभाग व अधिकारियों का मूल उद्देश्य होना चाहिए। जिलाधिकारी ने कहा कि डीबीटी की तर्ज पर पोषण अभियान का लाभ सीधे पात्र लाभार्थी तक पंहुचाने पर ही मिशन-200 को सफलता मिलेगी। बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी जितेन्द्र कुमार ने बताया कि जनपद में वर्तमान में छः माह से तीन वर्ष तक के 21718 बच्चों, तीन से छः वर्ष के 15781 बच्चों सहित 3149 गर्भवती व 4543 धात्री महिलाओं के पोषण को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकर्तियों के माध्यम से नियमित निगरानी की जा रही है। उन्होंने बताया कि जनपद के 1853 आंगनबाड़ी केन्द्रों में से लगभग 300 के आस-पास आंगनबाड़ी केन्द्र ऐसे है जहां पर बच्चों के पंजीकरण की संख्या शून्य हैं। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2022-23 के आंकड़ों के अनुसार प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के 1820 लाभार्थी, नन्दा गौरा योजना के अन्तर्गत 3287 आवदेन प्राप्त हुए हैं। जबकि स्पॉन्सरशिप योजना के 42, विधवा पेंशना योजना के 15394 व परित्यकता पेंशन योजना के 229 लाभार्थियों को योजनाओं लाभ दिया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि जनपद क्षेत्रांतर्गत श्रीनगर व कोटद्वार में महिला छात्रावास के प्रस्ताव शासन को भेजे गये है, जबकि कोटद्वार में महिला नशा मुक्ति केन्द्र की स्थापना के लिए आंगणन तैयार किया जा रहा है। वात्सल्य सदन हेतु ग्राम च्वींचा में भवन को चयनित किया जा चुका है जबकि शेल्टर होम फॉर चिल्ड्रन के लिए एसडीएम कोटद्वार व नगर आयुक्त कोटद्वार द्वारा भूमि चिन्हित करने की कार्यवाही गतिमान है। बैठक में सीडीपीओ महबूब खान, केन्द्र प्रशासिका वन स्टॉप सेन्टर लक्ष्मी रावत, ब्लाक स्तरीय बाल विकास परियोजना अधिकारी मंजू डबराल, चंद्रकांता काला, प्रीति अरोड़ा, अंजू चमोली, हेमंती रावत आदि उपस्थित थे।

कृषक भ्रमण और प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया

नई टिहरी। वीर चंद्र सिंह गढ़वाली उत्तराखंड औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र रानीचौरी ने निकरा परियोजना के तहत दो दिवसीय कृषक भ्रमण और प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन उत्तरकाशी के चिन्यालीसौड़ कृषि विज्ञान केंद्र में आयोजित किया। जिसमें किसानों को अहम जानकारियां दी। प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए कृषि विज्ञान केंद्र के प्रधान वैज्ञानिक डा सीएस राघव ने कृषकों का स्वागत कर कृषि विज्ञान केंद्र उत्तरकाशी में होने वाली विभिन्न गतिविधियों के बारे में अवगत करवाया, साथ ही कृषि विज्ञान केंद्र रानीचौरी की निकरा परियोजना में कार्यरत एसआरएफ उदित जोशी ने किसानों का परिचय केंद्र के वैज्ञानिकों से करवाया तथा वैज्ञानिकों को प्रशिक्षण के लिए बहुमूल्य समय देने के लिए धन्यवाद दिया।

न्यूली-नांडी मोटर मार्ग की स्थिति दयनीय, दुर्घटना का बना खतरा

श्रीनगर गढ़वाल : कीर्तिनगर ब्लॉक के पाव बैंड-न्यूली-नांडी मोटर मार्ग की दुर्दशा पर स्थानीय लोगों में आक्रोश है।

ग्रामीणों का कहना है कि जगह-जगह गड्ढे पड़े होने और डामरी उखड़ जाने से मार्ग में आवागमन में भारी दिक्कतें हो रही हैं। कई बार संबंधित विभाग को इस संदर्भ में अगवत करा दिया गया। बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है।

न्यूली के ग्राम प्रधान संजय देव डंगवाल, मोहित मैठाणी ने बताया कि न्यूली-नांडी मोटर मार्ग की स्थिति दयनीय बनी हुई है। जिससे मार्ग पर दुर्घटनाओं का खतरा भी बना हुआ है। ग्राम प्रधान संजय देव डंगवाल ने कहा कि विभागीय अधिकारियों को कई बार लिखित में इसकी जानकारी दे दी गई है, लेकिन मार्ग की स्थिति नहीं सुधर पा रही है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने भी सड़कों के गड्ढे ठीक करने और मोटर मार्गों की स्थिति सुधारने के निर्देश दिए हैं। कहा कि यदि मांग पर जल्द ही ठोस कार्यवाही नहीं हुई तो उन्हें आंदोलन के लिए विवश होना पड़ेगा। लोनिवि कीर्तिनगर के सहायक अभियंता संजय सिंह बिष्ट ने बताया कि उक्त मोटर मार्ग का सुधारीकरण कार्य जल्द किया जाएगा। (एजेंसी)

बहुउद्देशीय/स्वास्थ्य शिविर 24 मार्च से

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : आगामी 23 मार्च को सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 'जन सेवा' थीम पर जनपद के समस्त विकासखंड़ों में 24 से 30 मार्च 2023 तक बहुउद्देशीय शिविर/स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाएगा। जिलाधिकारी गढ़वाल डॉ. आशीष चौहान ने कार्यक्रमों के आयोजन हेतु संबंधित उपजिलाधिकारियों को अध्यक्ष, खंडविकास अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी व ग्राम पंचायत विकास अधिकारियों को सदस्य नामित किया है।जन सेवा थीम पर 24 मार्च, 2023 को विकासखंड खिर्सू के श्रीनगर रामलीला मैदान, यमकेश्वर के गंगाभोगपुर मल्ला में बहुउद्देशीय व स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जाएगा। वहीं 25 मार्च को विकासखंड पाबौ के खुण्डेश्वर मैदान, 26 मार्च को विकासखंड थलीसैंण के विकासखंड मुख्यालय में शिविर लगाया जायेगा। 27 मार्च को विकासखंड द्वारीखाल, एकेश्वर, कल्जीखाल, जयहरीखाल में विकासखंड मुख्यालयों में तथा विकासखंड पोखड़ा में आई0टी0आई0 कॉलेज पोखड़ा में बहुउद्देशीय व स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जायेगा। 28 मार्च को विकासखंड दुगड्डा, पौड़ी, रिखणीखाल के विकासखंड मुख्यालयों व कोटद्वार में राजकीय इंटर कॉलेज कोटद्वार में शिविर आयोजित किया जायेगा। इसके अलावा 29 मार्च को विकासखंड बीरोंखाल व नैनीडांडा में शिविर विकासखंड मुख्यालयों व विकासखंड कोट में पंचायत भवन सबदरखाल में बहुउद्देशीय शिविर व स्वास्थ्य शिविर का आयेाजन किया जायेगा। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को बहुउद्देशीय शिविर व स्वास्थ्य शिविर में उपस्थित होने के साथ ही समस्त व्यवस्थाएं पूर्ण करने के निर्देश दिये हैं।

लक्षण नजर आने पर काला मोतिया का जल्द उपचार कराएं

श्रीनगर गढ़वाल : राजकीय मेडिकल कॉलेज श्रीनगर के नेत्र विभाग द्वारा विश्व ग्लूकोमा जागरूकता सप्ताह के तहत द वर्ल्ड इज ब्राइट सेव योर साइट थीम पर जागरूकता रैली निकाली गई। जिसमें एमबीबीएस के छात्र-छात्राओं द्वारा काला मोतिया से बचने के लिए श्रीनगर मेडिकल कॉलेज परिसर से श्रीकोट बाजार में जन-जागरूकता रैली निकाली गई। जागरूकता रैली के बाद काला मोतिया को लेकर एमबीबीएस छात्र-छात्राओं के बीच विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित हुई।

रैली के शुभारंभ पर मेडिकल कॉलेज की डॉ. विनीता रावत, डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह एवं डॉ. निरंजन ने कहा कि काला मोतिया को लेकर आम लोगों में जागरूकता लाए जाने तथा अस्पताल में मिलने वाली सुविधाओं को लेकर ऐसे जागरूकता अभियान जरूरी हैं।

उन्होंने कहा कि काला मोतिया होने पर जल्द इलाज करना चाहिए, ताकि हर व्यक्ति की आंखे स्वस्थ रह सके। इस मौके पर नेत्र विभाग के एचओडी डॉ. एएन पांडेय ने काला मोतिया होने के कारण एवं लक्षण और मेडिकल कॉलेज में काला मोतिया परीक्षण के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कहा कि बेस चिकित्सालय में काला मोतिया के लगभग 6-8 मरीज प्रतिदिन आते हैं। उन्होंने कहा कि काला मोतिया के कारण जब एक बार आंखों की रोशनी चली जाती है तो उसे दोबारा पाया नहीं जा सकता है। मौके पर डॉ. श्वेता, डॉ. प्रतीक, डॉ. जिज्ञासा, डॉ. अंजलि, डॉ. निकिता, डॉ. राजीव सहित एमबीबीएस के छात्र-छात्राएं मौजूद थे। (एजेंसी)

सख्ताहाल सड़क के सुधारीकरण की मांग की

रुद्रप्रयाग। ऊखीमठ ब्लॉक के ग्राम जामू को मुख्य राजमार्ग से जोड़ने वाली सड़क की स्थिति खराब बनी है। ग्रामीणों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए लोनिवि ऊखीमठ से शीघ्र मार्ग के सुधारीकरण की मांग की है।

केदारनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर फाटा कस्बे से 2 किमी की दूरी पर स्थित जामू गांव के लिए सड़क मार्ग स्थित है जिसका निर्माण वर्ष 2018 में हो गया था, किंतु रख रखाव एवं सड़क पर नालियां न होने से सड़क की हालत खस्ताहाल बनी है। जिला पंचायत उपाध्यक्ष सुमंत तिवाड़ी ने बताया कि राजमार्ग से ग्राम जामू को जोड़ने वाली सड़क पर आवागमन करना काफी मुश्किल हो रहा है।

अभाविप ने छात्रों को जल्द छात्रवृत्ति देने की मांग उठाई

श्रीनगर गढ़वाल : अखिल भारतीय विद्याथी परिषद के कार्यकर्ताओं ने एससी, एसटी एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की छात्रवृत्ति से वंचित छात्रों को जल्द से जल्द छात्रवृत्ति की राशि प्रदान कराए जाने की मांग की है। इस संदर्भ में एबीवीपी ने उपजिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री को ज्ञापन भी भेजा है।

एबीवीपी के प्रदेश मंत्री ऋतांशु कंडारी ने कहा कि एसटी, एससी एवं आर्थिक करूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति में विश्वविद्यालय एवं कॉलेजों द्वारा बाधा उत्पन्न की गई है। जिसकी एबीवीपी घोर निंदा करती है। उन्होंने कहा कि बीएड में अध्ययनरत अधिकांश छात्र-छात्राएं निम्न आर्थिकी वाले परिवारों से आते हैं, पिछले वर्ष भी कोविड-19 के कारण प्रवेश देरी से हुए तो एनएसपी पोर्टल बंद होने के कारण छात्र छात्रवृत्ति से वंचित रहे। उन्होंने राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री से कॉलेजों की इस खींचतान को समाप्त कर विद्यार्थियों को उनकी छात्रवृत्ति दिलाने की आवश्यक कार्यवाही कराए जाने के निर्देश दिए जाने की मांग की है। इस मौके पर शाश्वत खंडूड़ी, दीपक चौधरी, जसवंत सिंह राणा, दीक्षा मिंगवाल, अंकिता, विवेक, अंकुश, महिपाल, आशुतोष आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

यात्रा तैयारियों का निरीक्षण करें अधिकारी डीएम

चमोली। गैरसैंण विधानसभा सत्र संपन्न होने के बाद अब चमोली जिला प्रशासन चारधाम यात्रा की तैयारियों में जुट गया है। जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने बदरीनाथ धाम की यात्रा व्यवस्था को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक ली। डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्थलीय निरीक्षण कर यात्रा की व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें।जिलाधिकारी ने यात्रियों के पंजीकरण, सत्यापन, टोकन वितरण, क्यू मैनेजमेंट और सुरक्षा के दृष्टिगत पर्यटन सुरक्षा मित्रों की तैनाती को लेकर समीक्षा बैठक की। डीएम ने कहा कि पंजीकरण काउंटर पर रेन शेल्टर तैयार कर तत्काल विद्युत व्यवस्था की जाए

। यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए पर्याप्त संख्या में पर्यटन सहायता और सुरक्षा मित्रों की तैनाती की जाए। बीएसएनएल को वाईफाई के लिए स्थान चिह्नित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने बदरीनाथ हाईवे पर चल रहे ऑलवेदर रोड परियोजना के कार्यों में तेजी लाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन स्थानों पर परियोजना कार्य पूर्ण हो गया है वहां सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाए। कई जगह पर बरसात में हाईवे पर भूस्खलन की संभावना बनी रहती है। वहां तीर्थ यात्रियों की सुविधा के लिए साइन बोर्ड स्थापित किए जाएं। जल संस्थान के अधिकारियों को यात्रा मार्ग पर स्थित सार्वजनिक पेयजल लाइनों को दुरुस्त कर उनमें साफ पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र, जिला पर्यटन अधिकारी एसएस राणा, अधिशासी अभियंता सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सदन में विपक्ष के सवालों का जवाब देने में असहज दिखी भाजपा : नेगी

ई टिहरी। गैरसैंण सत्र से लौटे प्रतापनगर विधायक विक्रम सिंह नेगी ने कहा कि सत्र में भाजपा सरकार विपक्ष के सवालों का जबाब देने में असहज दिखी। विधायक आदेश चौहान के विशेषाधिकार हनन के मामले में पुलिस की झूठी रिपोर्ट को पढ़े जाने और मामले को लेकर संवेदनहीनता के चलते विधानसभा अध्यक्ष को विरोध का सामना करना पड़ा। कांग्रेस के जिला कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि भाजपा की डबल इंजन की सरकार जनता पीसने का काम कर रही है। कांग्रेस ने सदन में बेरोजगारों की परेशानी, परीक्षाओं को हो रही निरंतर धांधलियों, महिलाओं की परेशानी, जोशीमठ के आपदा प्रभावितों के साथ न्याय न किए जाने, टिहरी बांध प्रभावितों के साथ खिलवाड़ किए जाने, टिहरी झील में बार्ज-मरीना बोट का संचालन न किए जाने सहित प्रदेश के तमाम मुद्दों पर सवालों की बौछार की। लेकिन भाजपा सरकार के लोग सवालों के जवाब देने में असहज दिखे। विधायक ने कहा कि डबल इंजन की सरकार के यह हाल है कि प्रदेश में स्वरोजगार के द्योतक उद्योगों को सब्सिडी देनी बंद कर दी गई है। पुराने मामलों में भी उद्योगों को सब्सिडी नहीं दी जा रही है। इससे स्वरोजगार की बढ़ते कदमों को रोका जा रहा है। जबकि पहाड़ी क्षेत्रों में उद्योगों को स्थापित कर स्वरोजगार आगे बढ़ाने के लिए सब्सिडी बहुत जरूरी है। कहा कि प्रदेश सरकार सोलर प्लांटों को स्वरोजगार का जरिया बनाने की बात तो कर रही है, लेकिन बिजली लाईनों व सब स्टेशनों की स्थिति है कि यह सोलर प्लांटों की उत्पादित बिजली का लोड लेने में सक्षम नहीं है। इस मौके पर पूर्व ब्लाक प्रमुख विजय गुनसोला, प्रदेश सचिव कुलदीप पंवार, लखवीर, खुशी लाल, संतोष आर्य, दिनेश कृषाली, अर्जुन, महादेव, ज्योति भट्ट आदि मौजूद रहे।

राशन डीलरों ने की बकाया भाड़ा एंव लाभांश दिये जाने की मांग

नई टिहरी। ऑल इंडिया फेयर प्राइस शॉप डीलर्स फैडरेशन की टिहरी शाखा ने खाद्य मंत्री रेखा आर्य को डीएसओ के माध्यम से आठ सूत्रीय मांग पत्र भेजकर बकाया भाड़ा और लाभांश की मांग की।

तहसील दिवस में 27 शिकायतें आई सामने

नई टिहरी। एडीएम केके मिश्रा की अध्यक्षता में ब्लॉक भिलंगना के सभागार में तहसील दिवस आयोजित किया गया। तहसील दिवस में कुल 27 शिकायतें दर्ज हुई। जिनमें से अधिकांश का मौके पर निस्तारण किया गया। शेष प्रकरणों को संबंधित अधिकारियों को प्रेषित करते हुए त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए गए। तहसील दिवस में क्षेत्रीय लोगों द्वारा छतियारा-खवाड़ा मोटर मार्ग की खराब स्थिति की शिकायत की गई। जिस पर एडीएम ने विभागीय अधिकारियों को शीघ्र मोटर मार्ग की स्थिति सुधारने के निर्देश दिए। प्रधान कर्णगांव उदय सिंह नेगी ने छतियारा के बीच क्षतिग्रस्त विद्युत लाइन की मरम्मत करने की मांग उठाई। सामाजिक कार्यकर्ता विशाल नैथानी ने पट्टी ग्यारह गांव के करखेड़ी में जल जीवन मिशन के तहत अनुसूचित जाति के परिवारों को पेयजल कनेक्शन न दिए जाने का मामला उठाया। जिस पर एडीएम ने तहसीलदार को मामले की जांच करने के निर्देश दिए।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, बैजरो

E Mail ID :- eepwdbaijro01@gmail.com, eepwdbaijro@rediffmail.com

पत्रांक - 420/17 ए0सी0 दिनांक- 21/03/2023

अल्पकालीन निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल महोदय, उत्तराखण्ड की ओर से अधोहस्ताक्षरी के द्वारा लो0नि0वि0 उत्तराखण्ड राज्य में मार्ग कार्य के लिये पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा दिनांक 23.03.2023 से 03.04.2023 तक किसी भी कार्य दिवस (राजकीय अवकाश को छोड़कर) में प्रातः 10:00 बजे से सांय 5:00 बजे तक निम्नलिखित कार्यालयों से निर्धारित शुल्क एवं मार्ग/भवन कार्य के लिये पंजीकृत अधतन वैधता प्रमाण पत्र देकर प्राप्त किये जा सकते हैं। निविदा दिनांक 05.04.2023 की अपराहन 3:00 बजे तक इन्हीं कार्यालयों में प्राप्त कराये जा सकते हैं। बिलम्ब से पहुंचने वाली निविदाओं पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

1- अधीक्षण अभियन्ता 12वॉ वृत्त लो0नि0वि0 पौड़ी
2- अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड लो0नि0वि0 बैजरो
3- अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड लो0नि0वि0 पौड़ी
4- अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड लो0नि0वि0 कीर्तिनगर।

निविदा अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0 बैजरौ के कार्यालय में दिनांक 06.04.2023 को पूर्वाह्न 11:00 बजे टैण्डर खोलने हेतु गठित समिति द्वारा उपस्थित निविदादाताओं अथवा उनके प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी।

क्र0 सं0	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि (लाख ₹ में)	निविदा का मूल्य	निविदा की वैधता	कार्य पूर्ण करने का समय	ठेकेदार की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1	वार्षिक अनुरक्षण (नवीनीकरण) वर्ष 2023-24 के अन्तर्गत भिक्यासैण-देघाट-बूंगीधार-महलचौरी-बछुवाबाण-चौखुटिया मोटर मार्ग (राज्य मार्ग सं0 33) के किमी0 49.000 से 51.000 (लम्बाई 2.000 किमी0) में पी0सी0 द्वारा नवीनीकरण का कार्य।	60000.00	2000.00+ 18% GST	45 दिन	3 माह	डी0 एवं उच्चतर मार्ग कार्य
2	-तदैव- किमी0 48.200 से 49.00 (लम्बाई 0.800 किमी0) में पी0सी0 द्वारा नवीनीकरण का कार्य।	36000.00	1500.00+ 18% GST	45 दिन	3 माह	-तदैव-
3	थलीसैंण-बूंगीधार-देघाट-जैनल-मानिला-डोटियाल-मरचुला (राज्य मार्ग संख्या 52) के किमी0 46.000 से 46.350 तथा किमी0 48.000 (लम्बाई 1.350 किमी0) में पी0सी0 द्वारा नवीनीकरण का कार्य।	61000.00	2000.00+ 18% GST	45 दिन	3 माह	-तदैव-
4	-तदैव- किमी0 49.000 से 50.000 (लम्बाई 2.000 किमी0) में पी0सी0 द्वारा नवीनीकरण का कार्य।	60000.00	2000.00+ 18% GST	45 दिन	3 माह	-तदैव-
5	बैजरो-जोगीमढी-सराईखेत-भगवतीतलैया-चौखाल-जसपुरखाल-भण्डेली मोटर मार्ग (प्रमुख जिला मार्ग पी0-21) के किमी0 28.600 से 30.000 (लम्बाई 1.400 किमी0) में पी0सी0 द्वारा नवीनीकरण का कार्य।	63000.00	2000.00+ 18% GST	45 दिन	3 माह	-तदैव-
6	-तदैव- किमी0 31.000 से 32.000 (लम्बाई 2.000 किमी0) में पी0सी0 द्वारा नवीनीकरण का कार्य।	60000.00	2000.00+ 18% GST	45 दिन	3 माह	-तदैव-
7	-तदैव- किमी0 33.000 से 34.000, 37.000 (लम्बाई 3.000 किमी0) में पी0सी0 द्वारा नवीनीकरण का कार्य।	75000.00	2000.00+ 18% GST	45 दिन	3 माह	-तदैव-
8	-तदैव- किमी0 20.000 से 21.000 (लम्बाई 2.000 किमी0) में पी0सी0 द्वारा नवीनीकरण का कार्य।	60000.00	2000.00+ 18% GST	45 दिन	3 माह	-तदैव-
9	-तदैव- किमी0 22.000 से 23.000 (लम्बाई 2.000 किमी0) में पी0सी0 द्वारा नवीनीकरण का कार्य।	60000.00	2000.00+ 18% GST	45 दिन	3 माह	-तदैव-
10	-तदैव- किमी0 24.000 से 25000 (लम्बाई 2.000 किमी0) में पी0सी0 द्वारा नवीनीकरण का कार्य।	60000.00	2000.00+ 18% GST	45 दिन	3 माह	-तदैव-
11	-तदैव- किमी0 26.000 से 28.000 (लम्बाई 3.000 किमी0) में पी0सी0 द्वारा नवीनीकरण का कार्य।	75000.00	2000.00+ 18% GST	45 दिन	3 माह	-तदैव-
12	घट्टूगाड-सिलोगी-चैलूसैण-गुमखाल-लैन्सडौन-डेरियाखाल-रिखणीखाल-बीरोंखाल मोटर मार्ग (शहीद संदीप सिंह रावत मोटर मार्ग) के किमी0 182.900 से 185.000 (कुल लम्बाई 2.100 किमी0) में पी0सी0 द्वारा नवीनीकरण का कार्य।	60000.00	2000.00+ 18% GST	45 दिन	3 माह	-तदैव-
13	-तदैव- किमी0 186.00 से 187.400 (लम्बाई 2.400 किमी0) में पी0सी0 द्वारा नवीनीकरण का कार्य।	74000.00	2000.00+ 18% GST	45 दिन	6 माह	-तदैव-
14	मैठाणाघाट-ढौंर-जाखणी-तकुलसारी-रसियामहादेव-सौंफखाल-दिवोली-बन्दकोट-नौलापुर मोटर मार्ग (प्रमुख जिला मार्ग पी0-22) के किमी0 20.000 से 21.000 (लम्बाई 2.000 किमी0) में पी0सी0 द्वारा नवीनीकरण का कार्य।	60000.00	2000.00+ 18% GST	45 दिन	3 माह	-तदैव-

सम्पादकीय

हड़ताल पर हो वसूली

सरकारी कर्मचारियों की हड़ताल से जूझते प्रदेशों को कर्मचारियों का वेतन काटना चाहिए ना या नहीं इस पर एक लंबी बहस छिड़ सकती है, लेकिन इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश में बिजली कर्मियों की हड़ताल से हुई उत्पन्न स्थिति के बाद चिंता जाहिर की है और कहा है कि क्यों हड़ताली कर्मचारियों के वेतन से सरकार को होने वाले नुकसान की भरपाई की जाए। अदालत ने ना केवल हड़ताल से होने वाले नुकसान पर नाराजगी जाहिर की बल्कि संगठन के नेताओं के आचरण को लेकर भी उनकी निंदा की है। असल में हड़ताल हमारी व्यवस्थाओं का एक ऐसा दीमक है, जिस दिन ना केवल जन सुविधाओं को खोखला करने का काम किया है बल्कि हड़ताली कर्मचारियों के आगे सरकार खुद को असहाय महसूस करती है साथ ही तमाम दिन कार्य ना होने के बावजूद भी कर्मचारियों को हड़ताल की अवधि का वेतन भी दिया जाता है। गाहे बघाये कोई सरकार वेतन काटने की हिम्मत करती है तो इस मुद्दे पर ही हड़ताल की नौबत आ जाती है। कोई भी हड़ताल एक पूरी व्यवस्था को छिन्न-भिन्न कर देती है और यदि हड़ताल करने वाले विभाग जन सुविधाओं की पूर्ति करने से संबंधित हो तो स्थिति और भी खराब हो जाती है। उत्तराखंड भी एक ऐसा प्रदेश है जहां आए दिन हड़ताल ओं का दौर चलता ही रहता है। कर्मचारी संगठन अपनी मांगे मनवाने के लिए सरकार पर दबाव बनाते है और कई कई दिनों तक हड़तालों का दौर चलता रहता है। पूर्व की सरकारों में "नो वर्क नो पे" के सिद्धांत पर सरकार ने चलने की कोशिश भी की लेकिन ना तो कभी हड़ताली कर्मचारियों का वेतन काटा गया और ना ही कभी ऐसे कर्मचारियों के खिलाफ शायद ही कोई विभागीय कार्यवाही की गई हो। उल्टे सरकार हड़ताली कर्मचारियों के आगे बेबस ही नजर आती है और उन्हें काम पर वापस लाने के लिए मान मुन्नवल करती हुई दिखती है। इलाहाबाद हाईकोर्ट मैं जिस प्रकार से कर्मचारियों की हड़ताल से आमजन को होने वाली परेशानियों पर चिंता जाहिर की है उसकी सराहना की जानी चाहिए। हालांकि अदालत की नाराजगी के बावजूद प्रदेश सरकारें हड़ताली कर्मचारियों के खिलाफ कोई सख्त कदम उठाने की हिम्मत जुटा पाएगी इसकी उम्मीद कम ही है। यही बात उत्तराखंड प्रदेश में भी लागू होती है जहां शायद ही कोई दिन ऐसा होता होगा जब कही ना कही कोई संगठन हड़ताल पर नही रहता होगा। हड़ताल करने वाले कर्मचारियों एवं संगठनों को इस बात से कोई लेना देना नही है की उनके इस आचरण से प्रदेश की जनता व सरकार को कितना नुकसान हुआ। अस्पतालों में मरीजों को कितनी परेशानी उठानी पड़ी। आए दिन होने वाली हड़ताल पर नियंत्रण करने के लिए राज्य सरकार को सख्त कदम उठाने होंगे जिससे कि आने वाले समय में सरकार पर अनावश्यक दबाव बनाते हुए कर्मचारी जनता की सुविधाओं एवं जरूरतों से खिलवाड़ ना कर पाए। सरकार को कड़ाई के साथ हड़ताल करने वाले कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए और साथ ही उनके वेतन से हड़ताल की अवधि की वसूली करनी चाहिए। हालांकि किसी भी प्रदेश की सरकार यह सब करने की हिम्मत जुटाने की स्थिति में नहीं है क्योंकि सरकार भी जानती है कि ऐसा करने पर उन्हें उल्टे लेने के देने भी पड़ सकते हैं।

यौन शिक्षा : समाज की सोच में आ रहा बदलाव

यूनेस्को की एक रिपोर्ट के मुताबिक मात्र 20 फीसदी देशों में यह कानून लागू है जबकि 39 फीसदी देशों के पास इस शिक्षा को लेकर राष्ट्रीय नीति तैयार हो चुकी है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि प्राथमिक शिक्षा में यौन शिक्षा 68 फीसदी देशों और माध्यमिक शिक्षा में 76 देशों में अनिवार्य हो गई है जबकि ज्यादातर देशों में यौन और घरेलू व्यवहार तथा लैंगिक हिंसा जैसे विषय शामिल हैं।

भारत की बात करें तो कुछ आंशिक पहल को छोड़कर यहां अभी इस मसले पर कोई ठोस नीति या कानून नहीं बन पाया है। दो तिहाई गर्भनिरोधक मुद्दे को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना अच्छा कदम माना जा सकता है। मगर खुलकर इसकी पैरवी सरकारी स्तर पर अभी भी नहीं हो पाई है। पाठ्यक्रम के अंर्तगत विस्तृत कामुकता शिक्षा, कामुकता के ज्ञान, भावनात्मक, शारीरिक और सामाजिक पहलुओं के बारे में पढ़ाने अथवा सीखने का पाठ्यक्रम शामिल है। इसका मकसद बच्चों में ज्ञान, दृष्टिकोण और मूल्यों को समझाना है। यह उनके स्वास्थ्य, सम्मान और कल्याण का अहसास कराने के लिए उन्हें सशक्त बनाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि कामुकता मानव जीवन का अभिन्न अंग है। हालांकि रिश्ते और सेक्स के बारे में युवाओं को वैज्ञानिकता के साथ विकसित करना थोड़ा मुश्किल है।

सुशील देव

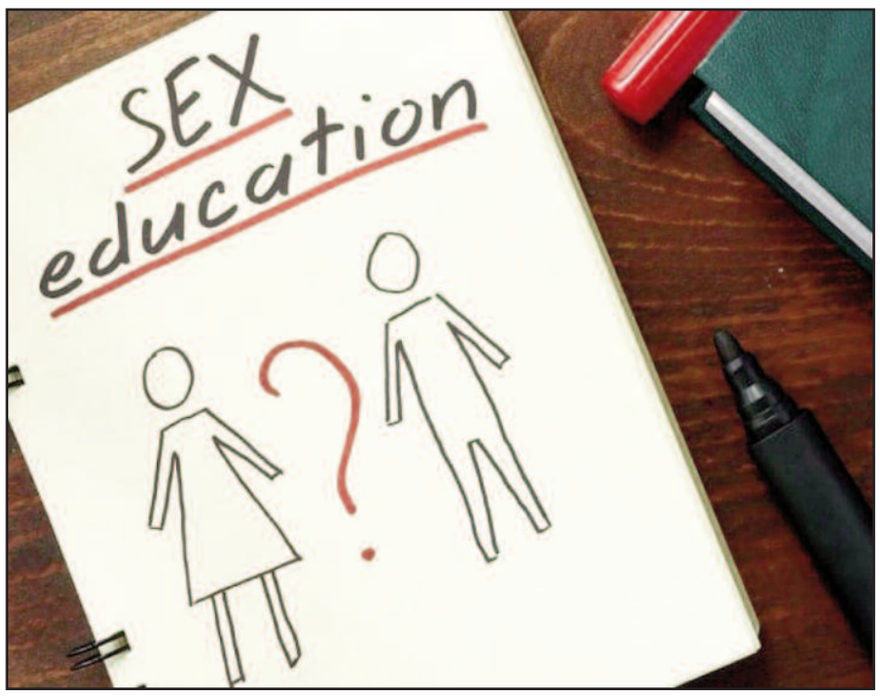

भारत में यौन शिक्षा को लेकर अभी भी चर्चा रहस्यमयी या मायावी बनी हुई है। कोई भी इस विषय पर खुलकर चर्चा नहीं करना चाहता जबकि यह मसला सामाजिक तौर पर बेहद गंभीर है।

विश्व की कई संस्थाएं इसे समाज के लिए अग्रणी मुददों में गिनती हैं। यूनेस्को के मुताबिक 39 फीसदी देशों के पास अभी यौन शिक्षा को लेकर राष्ट्रीय नीति बनी हुई है, वहीं दुनिया के मात्र 20 फीसदी देशों में यौन शिक्षा पर कानून है। चौंकाने वाली बात यह है कि जिस सेक्स एजुकेशन यानी यौन शिक्षा को लेकर लोग आपस में खुलकर बात नहीं करना चाहते, उसी यौन शिक्षा पर दुनिया के कुछ देशों में कानून भी लागू हो चुका है। यह कानून यौन शिक्षा के प्रति वहां जागरूकता का संदेश दे रहा है।

यूनेस्को की एक रिपोर्ट के मुताबिक मात्र 20 फीसदी देशों में यह कानून लागू है जबकि 39 फीसदी देशों के पास इस शिक्षा को लेकर राष्ट्रीय नीति तैयार हो चुकी है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि प्राथमिक शिक्षा में यौन शिक्षा 68 फीसदी देशों और माध्यमिक शिक्षा में 76 देशों में अनिवार्य हो गई है जबकि ज्यादातर देशों में यौन और घरेलू व्यवहार तथा लैंगिक हिंसा जैसे विषय शामिल हैं।

भारत की बात करें तो कुछ आंशिक पहल को छोड़कर यहां अभी इस मसले पर कोई ठोस नीति या कानून नहीं बन पाया है। दो तिहाई गर्भनिरोधक मुद्दे को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना अच्छा कदम माना जा सकता है। मगर खुलकर इसकी पैरवी सरकारी स्तर पर अभी भी नहीं हो पाई है। पाठ्यक्रम के अंर्तगत विस्तृत कामुकता शिक्षा, कामुकता के ज्ञान, भावनात्मक, शारीरिक और सामाजिक पहलुओं के बारे में पढ़ाने अथवा सीखने का पाठ्यक्रम शामिल है। इसका मकसद बच्चों में ज्ञान, दृष्टिकोण और मूल्यों को समझाना है। यह उनके स्वास्थ्य, सम्मान और कल्याण का अहसास कराने के लिए उन्हें सशक्त बनाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि कामुकता मानव जीवन का अभिन्न अंग है। हालांकि रिश्ते और सेक्स के बारे में युवाओं को वैज्ञानिकता के साथ विकसित करना थोड़ा मुश्किल है।

मगर यह भी सच्चाई है कि भ्रमित करने वाली जानकारी या संदेश बचपन से वयस्क होने तक उनके जीवन मूल्यों को और सहज बना देते हैं। बचपन में घरों के अंदर मां-बाप या बुजुगरे के माध्यम से इस शिक्षा की नींव पडऩी चाहिए। फिर स्कूलों में शिक्षकों या गुरुजनों के माध्यम से यौन शिक्षा आधारित यौन शिक्षा ज्ञान का प्रसार होना चाहिए। हालांकि हमारे देश में ऐसे विचारों को लेकर विरोध भी हुए हैं। बुद्धिजीवियों का एक वर्ग इसकी आलोचना करता है, और कहता है कि भारतीय सभ्यता-संस्कृति के लिए यह उपयुक्त नहीं है।

सनद रहे कि 2007 में हालांकि भारत सरकार ने किशोर शिक्षा कार्यक्रम की शुरु आत की थी। मगर तब भी अंतरंग संबंधों के बारे में खुलकर बातचीत नहीं हुई। स्थिति यह है कि आज भी हम बगैर शर्म या हिंचक के 'सेक्सइ शब्द भी बोल नहीं सकते। मगर युवाओं में उनके शरीर में होने वाले परिवर्तनों की जानकारी के लिए भी यह शिक्षा जरूरी है। इसकी पैरवी करने वाले, विरोध करने वालों से ज्यादा हैं। आज लड़कियों के मासिक धर्मचक्र के बारे में उन्हें समझाने की जरूरत है। सेक्स के बारे में जागरूकता इसलिए भी जरूरी है कि गर्भधारण के समय एचआईवी, एड्स जैसी बीमारियों से कैसे बचाव किया जाए, उन्हें पता होनी चाहिए या उन्हें निरोधक सामग्री खरीदने में शर्म महसूस न हो, इसलिए भी यह शिक्षा जरूरी है।

विशेषज्ञों के मुताबिक रेप या जबरदस्ती वाले शारीरिक संबंधों को समाप्त करने के लिए इस शिक्षा को महत्त्वपूर्ण माना गया है। महिला एवं बाल विकास विभाग के अध्ययन के मुताबिक ज्यादातर बच्चे आज इस तरह की शिक्षा के अभाव में यौन उत्पीडऩ के शिकार हो रहे हैं। समाज में यौन उत्पीडऩ के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। यौन अपराध बढ़ रहे हैं। भारत में आज भी यौन शिक्षा को लेकर खुलकर चर्चा नहीं हो रही है। इसे सार्वजनिक बोलचाल में आज भी भारी झिझक एवं बेचैनी के साथ प्रस्तुत किया जाता है। विरोध में तर्क है कि कामुकता के बारे में शिक्षा निजी मामला है, और यह भारतीय संस्कृति के खिलाफ जाती है। यह किशोरों को अनैतिकता और स्वच्छता की ओर ले जाती है, इसलिए सरकार को किसी भी रूप में इस शिक्षा को बढ़ावा दिए जाने का सुझाव नहीं दिया गया।

हालांकि भारत की हालिया नई शिक्षा नीति में इसे लेकर कुछ मामूली तब्दीली जरूर हुई है। इससे हमारे समाज का कितना भला होगा, कहना मुश्किल है। लेकिन हम दावे के साथ कह सकते हैं कि हमारी सामाजिक सोच के स्तर में भी इस विषय को लेकर बदलाव आया है, और बात 'गुड टच और बैड टचइ से आगे निकली है। इससे हमारे देश के बच्चों में यौन शिक्षा के प्रति जागरूकता आएगी और हमारे युवाओं की सोच में बदलाव आएगा। जाहिर है कि इससे देश भी बदलेगा।

जयगान करें या खामोश रहें!

संसद को अगर खामोश कर दिया जाए, प्रेस खुद खामोश हो जाए, और न्यायपालिका की भूमिका स्पष्ट ना रह जाए, तो फिर लोकतंत्र के बारे में बुनियादी समझ पर पुनर्विचार करना पड़ सकता है।

संसद में जो नजारा देखने को मिल रहा है, उसका एक ही संकेत है और वो यह- सरकार चाहती है कि या तो संसद में उसका जयगान हो या फिर सदस्य चुप रहें। सरकार को सवाल पसंद नहीं हैं। खास कर ऐसे मामलों पर तो बिल्कुल ही नहीं, जिसे वह अपने लिए संवेदनशील मानती है।

शुक्रवार को संसद टीवी जिस तरह अचानक म्यूट हो गया, वह रहस्यमय है। यह बात किसी के गले नहीं उतरती कि ठीक उस समय खामोशी छा गई, जब विपक्ष अपनी बात रख रहा था और यहां मांग उठ रही थी कि राहुल गांधी को बोलने दिया जाए। राहुल गांधी एक दिन पहले प्रेस कांफ्रेंस करके संसद में बोलने की अपनी इच्छा जता चुके थे। इसके लिए वे स्पीकर ओम बिड़ला से भी मिले थे और उनसे बोलने का समय मांगा था।

शुक्रवार को सामने यह आया कि स्पीकर का फैसला राहुल गांधी को ना बोलने देने का है। जबकि राहुल गांधी के इस तर्क में दम है कि जब मंत्रियों सहित भाजपा के कई नेताओं ने संसद में उनके खिलाफ भाषण दिया है, तो उन्हें संसद के मंच पर उसका जवाब देने का मौका दिया जाना चाहिए। यह आम संसदीय प्रक्रिया है। बहरहाल, आज आम प्रक्रियाओं की अपेक्षा करने का कोई शायद ही कोई आधार बचा है। अब प्रश्न यह है कि भारतीय लोकतंत्र को आज कैसे समझा जाए?

लोकतंत्र में संसद, न्यायपालिका और प्रेस की खास भूमिका होती है। संसद को अगर खामोश कर दिया जाए, प्रेस खुद खामोश हो जाए, और न्यायपालिका की भूमिका स्पष्ट ना रह जाए, तो फिर लोकतंत्र के बारे में बुनियादी समझ पर पुनर्विचार करना पड़ सकता है। इसके क्या परिणाम हो सकते हैं, इसका अहसास सत्ता को है या नहीं, यह हमें नही मालूम।

लेकिन यह सबको याद रखना चाहिए कि अगर बुनियादी आम-सहमतियों के लिए जगह ना बचे, तो व्यवस्था में भले चुनाव होते रहें, लेकिन उसे लोकतंत्र नहीं कहा जा सकता। यह बेजा नहीं है कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के लोकतंत्र सूचकांक पर भारत का दर्जा लगातार गिरता जा रहा है- यहां तक कि फ्रीडम हाउस ने तो भारत उन देशों की श्रेणी में डाल दिया है, जहां आंशिक स्वतंत्रता ही बची है।

चीन से आयात पर रोक?

अजय दीक्षित

केन्द्रीय उद्योग मंत्री पीयुष गोयल ने कहा कि चीन से आयात होने वाले घटिया स्तर के 2000 उत्पादों को गुणवत्ता नियंत्रण के दायरे में लाया जाएगा। साथ ही चीन से सस्ता माल मंगाना आसान नहीं होगा। मैन्यूफैक्चरिंग के प्रोत्साहन के लिए बड़े पैमाने पर गुणवत्ता मानक का नियम लागू होगा। निःसंदेह इस समय जब चीन से हर तरह का आयात बढ़ रहा है और चीन से देश का व्यापार असंतुलन चिंताजनक स्तर पर है, तब सरकार का यह फैसला स्वागत योग्य है। इससे चीन से आयात पर अंकुश लगेगा। गौरतलब है कि इस समय चीन से लगातार बढ़ता व्यापार असंतुलन पूरे देश की एक बड़ी आर्थिक चिंता का कारण बन गया है और इस पर पूरे देश में विभिन्न स्तरों पर विचार मंथन हो रहा है। पिछले माह 23 फरवरी को विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने एशिया इकोनॉमिक डायलॉग में कहा कि चीन से व्यापारिक असंतुलन की गंभीर चुनौती के लिए सिर्फ सरकार ही जिम्मेदार नहीं है, चीन के साथ व्यापार असंतुलन के लिए सीधे ड्ड तौर पर देश का उद्योग-कारोबार और देश की कंपनियां भी जिम्मेदार हैं। उन्होंने कलपुर्जे सहित संसाधनों के विभिन्न स्त्रोत और मध्यस्थ विकसित करने में अपने प्रभावी भूमिका नहीं निभाई है। साथ ही देश की बड़ी कंपनियां शोध एवं नवाचार के क्षेत्र में भी बहुत पीछे हैं। विगत 17 फरवरी को वाणिज्य मंत्रालय ने भारत-चीन व्यापार के वित्त वर्ष 2022-23 के अप्रैल 2022 से जनवरी 2023 तक 10 महीनों के आयात-निर्यात के जो नवीनतम आंकड़े जारी किए हैं, उनके मुताबिक इन 10 महीनों की अवधि में चीन से किए जाने वाले आयात में 9 फीसदी का उछाल आया है, जबकि इस अवधि में चीन को किए जाने वाले निर्यात में 34 फीसदी की भारी कमी आई है ।

वित्त वर्ष 2022-23 के पहले 10 महीनों में भारत के द्वारा किये जाने वाले कुल आयात में चीन की हिस्सेदारी 13.91 फीसदी है । चीन से भारत में आने वाले सामान में विभिन्न उद्योगों के उत्पादन में काम आने वाले दवाइयों के कच्चे माल (एपीआई), दवाइयां, इलेक्ट्रिक व इलेक्ट्रानिक सामान, पशु या वनस्पति वसा. अयस्क, लावा और राख, खनिज ईंधन, अकार्बनिक रसायन, कार्बनिक रसायन, उर्वरक, कमाना या रंगाई के अर्क, विविध रासायनिक उत्पाद, प्लास्टिक, कागज और पेपरबोर्ड, कपास, कपड़े, जूते, कांच और कांच के बने पदार्थ, लोहा और इस्पात, तांबा, परमाणु रिएक्टर, बॉयलर, मशीनरी और यांत्रिक उपकरण, विद्युत मशीनरी और फर्नीचर से संबंधित है। इन सामानों का चीन से आयात लगातार बढ़ा है ।

सामानों की भारत में मांग में कमी दिखाई दी हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी के द्वारा बार-बार स्थानीय अर्थव्यवस्था का समर्थन करने और वोकल फॉर लोकल मुहिम के प्रसार ने स्थानीय उत्पादों की खरीदी को पहले की तुलना में अधिक समर्थन दिया। जहां वर्ष 2022 में दीपावली पर्व पर भारतीय बाजारों में चीनी उत्पादों की बिक्री में बड़ी कमी आई, वहीं मार्च 2023 में होली पर्व पर चीनी उत्पाद बाजार से लगभग गायब रहे। यह भी स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि आत्मनिर्भर भारत अभियान में मैन्युफैक्चरिंग के तहत 24 सेक्टर को प्राथमिकता के साथ तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा । चीन से आयात किए जाने वाले दवाई, रसायन और अन्य कच्चे माल का विकल्प तैयार करने के लिए पिछले दो वर्ष में सरकार ने प्रोडक्शन लिंक्ड इनसेंटिव (पीएलआई) स्कीम के तहत 14 उद्योगों को करीब दो लाख करोड़ रुपए आवंटन के साथ प्रोत्साहन सुनिश्चित किए हैं। अब देश के कुछ उत्पादक- चीन के कच्चे माल का विकल्प बनाने में सफल भी हुये हैं । चीन से आयात पर अंकुश लगेगा ।

सामानों की भारत में मांग में कमी दिखाई दी हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी के द्वारा बार-बार स्थानीय अर्थव्यवस्था का समर्थन करने और वोकल फॉर लोकल मुहिम के प्रसार ने स्थानीय उत्पादों की खरीदी को पहले की तुलना में अधिक समर्थन दिया।

केसी वेणूगोपाल की जगह क्या प्रियंका?

कांग्रेस के कई नेता इस बात के लिए लॉबिंग कर रहे हैं कि प्रियंका गांधी वाड्रा को पार्टी संगठन महासचिव बनाया जाए। वे फिलहाल महासचिव हैं और उत्तर प्रदेश की प्रभारी हैं। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश के चुनाव के बाद उनको चुनाव जिताने वाला स्टार प्रचारक भी माना जा रहा है। परंतु क्या खडगे उनको संगठन महासचिव बनाएंगे? उनकी करीबी टीम के एक सदस्य ने इससे इनकार किया है। उनका कहना है कि अगर प्रियंका संगठन महासचिव बनी तो राष्ट्रीय अध्यक्ष की ऑथोरिटी कम होगी और पार्टी के भीतर ताकत का एक दूसरे बड़ा केंद्र बनेगा। वैसे नेहरू गांधी परिवार के सदस्य अलग शक्ति केंद्र बने रहेंगे लेकिन उनमें से किसी को संगठन महासचिव बनाया गया तो वह डिफैक्टो अध्यक्ष हो जाएगा।इसके अलावा यह भी कहा जा रहा है कि राहुल गांधी की टीम के तमाम सदस्य इस प्रस्ताव से असहज हैं कि प्रियंका को संगठन महासचिव बनाया जाए।

यह लाख टके का सवाल है कि क्या कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे नया संगठन महासचिव बनाएंगे? राहुल गांधी के करीबी संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल यानी केसीवी को हटाए जाने की चर्चा है। बताया जा रहा कि खडगे के साथ उनके बहुत अच्छे संबंध नहीं हैं। जानकार सूत्रों के मुताबिक खडगे जब लोकसभा चुनाव हारे और बतौर महासचिव उनको महाराष्ट्र का प्रभार दिया गया तभी से कुछ खटपट हुई थी और खडगे व उनकी टीम केसीवी को पसंद नहीं करते हैं। तभी नया संगठन महासचिव बनाए जाने की चर्चा है।

वैसे भी कांग्रेस मुख्यालय में यह आम चर्चा है कि राहुल गांधी किसी काम में कोई दखल नहीं दे रहे हैं। सोनिया और राहुल दोनों ने खडगे को अपनी पसंद से टीम बनाने की छूट दी है। किसी भी व्यक्ति के लिए सोनिया और राहुल की ओर से नहीं कहा जाएगा। कांग्रेस के जानकार सूत्रों का कहना है कि खडगे खुद अपनी मर्जी से कुछ ऐसे लोगों को टीम में रख सकते हैं, जिनके बारे में धारणा है कि वे परिवार के करीबी और निष्ठावान हैं। लेकिन उनके लिए भी परिवार की ओर से नहीं कहा जाएगा। कांग्रेस कार्य समिति का गठन भी खडगे को अपनी पसंद से ही करना है, उसमें भी किसी का दखल नहीं है।

कांग्रेस के कई नेता इस बात के लिए लॉबिंग कर रहे हैं कि प्रियंका गांधी वाड्रा को पार्टी संगठन महासचिव बनाया जाए। वे फिलहाल महासचिव हैं और उत्तर प्रदेश की प्रभारी हैं। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश के चुनाव के बाद उनको चुनाव जिताने वाला स्टार प्रचारक भी माना जा रहा है। परंतु क्या खडगे उनको संगठन महासचिव बनाएंगे? उनकी करीबी टीम के एक सदस्य ने इससे इनकार किया है। उनका कहना है कि अगर प्रियंका संगठन महासचिव बनीं तो राष्ट्रीय अध्यक्ष की ऑथोरिटी कम होगी और पार्टी के भीतर ताकत का एक दूसरे बड़ा केंद्र बनेगा। वैसे नेहरू गांधी परिवार के सदस्य अलग शक्ति केंद्र बने रहेंगे लेकिन उनमें से किसी को संगठन महासचिव बनाया गया तो वह डिफैक्टो अध्यक्ष हो जाएगा।

इसके अलावा यह भी कहा जा रहा है कि राहुल गांधी की टीम के तमाम सदस्य इस प्रस्ताव से असहज हैं कि प्रियंका को संगठन महासचिव बनाया जाए। वे पार्टी के रोज ब रोज के काम में प्रियंका का दखल नहीं चाहते हैं। तभी एक दूसरा प्रस्ताव यह है कि प्रियंका को महासचिव बना कर कुछ दूसरी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी जाएगी। कांग्रेस नेता मध्य प्रदेश को इस बार आसान राज्य मान रहे हैं और उनका कहना है कि अगर प्रियंका वहां की प्रभारी हो जाएं तो कांग्रेस के लिए अच्छा रहेगा। अगर कांग्रेस जीत जाती है तो उनकी धाक और जमेगी। उत्तर प्रदेश के साथ साथ उनको मध्य प्रदेश का भी प्रभारी बनाए रखने की तैयारी हो रही है। भूपेश बघेल के साथ उनकी केमिस्ट्री देखते हुए कई नेता मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ दोनों का प्रभारी प्रियंका को बनाने की मांग कर रहे हैं।

खाली पेट चाय पीना है स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक, हो सकती हैं ये 5 समस्याएं

भारत के नागरिक चाय को सिर्फ एक पेय नहीं, बल्कि एक भावना की तरह मानते हैं। वैसे तो भारतीय चाय प्रेमी कभी भी और कहीं भी चाय पी सकते हैं, लेकिन उनके लिए सुबह की चाय की बात ही अलग है। हालांकि, इस पेय को सुबह खाली पेट पीने से स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। आइए आज हम आपको खाली पेट चाय पीने से होने वाले 5 दुष्प्रभाव के बारे में जानते हैं।

पोषक तत्वों के अवशोषण को रोक सकती है चाय

सुबह सबसे पहले चाय पीने से अन्य पोषक तत्वों का अवशोषण बाधित हो सकता है। कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि खाली पेट चाय का सेवन आयरन और कैल्शियम जैसे पोषक तत्वों के अवशोषण में बाधा उत्पन्न कर सकता है। दरअसल, चाय में कैटेचिन नामक यौगिक मौजूद होते हैं, जो इन खनिजों को बांध सकते हैं और शरीर द्वारा इन्हें ठीक से अवशोषित होने से रोक सकते हैं।

खाली पेट चाय पीने से हो सकती है पाचन संबंधी परेशानी

चाय में टैनिन नामक यौगिक होते हैं। इस कारण खाली पेट इसके सेवन से पाचन तंत्र काफी हद तक बिगड़ सकता है। अगर कोई इंसान खाली पेट चाय ज्यादा पी ले तो उसे गैस की समस्या और पेट फूलने की शिकायत भी हो सकती है। इसके अलावा खाली पेट चाय पीने से पेट में अधिक एसिड पैदा हो सकता है, जो अन्य पाचन संबंधी परेशानियों में योगदान दे सकता है।

डिहाइड्रेशन की समस्या

चाय में डियूरेटिक होता है। इसकी वजह से आपको बार-बार पेशाब जाना पड़ सकता है। अगर बार-बार पानी का सेवन ना किया जाए तो इसकी वजह से डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है। इससे बचाव के लिए अपने दिन की शुरुआत चाय की जगह पानी से करें। हालांकि, कॉफी या अल्कोहल जैसे अन्य पेय पदार्थों की तुलना में चाय का डियूरेटिक प्रभाव बहुत ही कम होता है।

सिर में हो सकता है दर्द

ज्यादातर लोग सिरदर्द को दूर भगाने के लिए चाय का सेवन करते हैं, लेकिन अगर आप इसका सेवन खाली पेट करेंगे तो यह बिल्कुल विपरीत काम कर सकती है। कुछ लोग चाय में मौजूद कैफीन के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। इस कारण खाली पेट चाय पीने से उन्हें सिर में दर्द और चिंता या दिल की धड़कन में तेजी जैसे अन्य लक्षणों का अनुभव हो सकता है।

समय के साथ दांत भी हो सकते हैं खराब

जैसा की हमने आपको ऊपर बताया कि चाय में टैनिन नामक यौगिक होते हैं। यह मुंह में प्रोटीन और अन्य पदार्थों को बांधते हैं और समय के साथ दांत को खराब कर सकते हैं। इसके जोखिम को कम करने के लिए खाली पेट चाय बिल्कुल ना पीएं और इसका सेवन कम मात्रा में ही करने की कोशिश करें। इसके अलावा चाय पीने के बाद अपने मुंह को पानी से धोएं या दांतों को ब्रश जरूर कर लें।

गर्मियों में अपनी त्वचा का इस तरह से रखें ध्यान, चेहरे पर आएगी चमक

चिलचिलाती गर्मी त्वचा को प्रभावित कर सकती है। इससे टैनिंग, ड्राई पैच, ओवरएक्टिव सिबेसियस ग्लैंड्स, सनबर्न, पिगमेंटेशन, ब्लेमिश और मुंहासें जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए इस मौसम में आपको अपनी त्वचा का खास ख्याल रखने की जरूरत होती है। बदलते मौसम के साथ आपको अपनी त्वचा की देखभाल के उत्पादों और रूटीन को भी अपडेट करने की जरूरत है। आइए आज हम आपको गर्मियों के दौरान त्वचा की देखभाल करने के कुछ तरीके साझा करते हैं।

गर्मियों के दौरान जलवायु गर्म और आर्द्र होती है। इस वजह से चेहरा अधिक तेल का उत्पादन करता है, इसलिए आपको अपने फेसवॉश को उसी के अनुसार बदलना होगा। तैलीय त्वचा वालों के लिए गर्मियों में सैलिसिलिक एसिड वाला फोमिंग फेसवॉश का उपयोग करना सही रहेगा। यदि आपकी त्वचा रूखी है तो आपको लालिमा और चकत्ते का अनुभव हो सकता है, इसलिए माइल्ड फेस-ावॉश का इस्तेमाल करें ाॅ मिश्रित त्वचा वाले जेल-आधारित फेस-ावॉश का इस्तेमाल कर सकते हैं। हर मौसम में सनस्क्रीन लगाना जरूरी है। सनस्क्रीन त्वचा को हाइड्रेट करने के साथ ही सूरज की हानिकारक यूवी किरणों से बचाकर रखने में काफी मदद कर सकती है। लाभ के लिए अपनी त्वचा के प्रकार के अनुसार 50 या फिर 30 एसपीएफ़ युक्त सनस्क्रीन खरीदें और धूप में निकलने से 15 मिनट पहले इसे त्वचा पर लगाएं। अगर आप घर से बाहर हैं तो अपने चेहरे पर हर दो से तीन घंटे बाद सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें।

विहिप पांच लाख घरों में लगाएगी ओम लिखे झंडे

प्रयागराज (एजेंसी)। विश्व हिंदू परिषद (काशी प्रांत) ने हिंदू नववर्ष के अवसर पर उत्तर प्रदेश के 17 जिलों वाले काशी प्रांत में लगभग पांच लाख घरों में 'ओमइ छपा भगवा ध्वज लगाने का फैसला किया है। विहिप का लक्ष्य अकेले प्रयागराज में कम से कम एक लाख भगवा ध्वज लगाने का है। विहिप ने हिंदू नववर्ष के उपलक्ष्य में 22 मार्च से 6 अप्रैल के बीच काशी प्रांत के 17 जिलों में 'रामोत्सवइ मनाने की तैयारी की है।

विहिप के प्रवक्ता अश्विनी मिश्रा ने कहा, संगठन का लक्ष्य है कि 22 मार्च से शुरू होने वाले हिंदू नववर्ष के अवसर पर हर हिंदू घर में भगवा झंडा लगाया जाए।

विहिप के वरिष्ठ नेता लाल मणि तिवारी ने कहा, स्वयंसेवकों को हिंदू समुदाय के प्रत्येक घर पर भगवा ध्वज लगाने के लिए कहा गया है।

यह राज्य भर में प्रत्येक हिंदू में हिंदुत्व की भावना को मजबूत करने के लिए विहिप की रणनीति का एक हिस्सा है।

आबकारी नीति घोटाला : के. कविता से आज तीसरी बार पूछताछ कर सकती है ईडी

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की बेटी के. कविता दिल्ली आबकारी नीति मामले में तीसरे दौर की पूछताछ के लिए मंगलवार को यहां प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हो सकती हैं। सोमवार को, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) एमएलसी से लगभग दस घंटे तक पूछताछ की गई। इस दौरान उनका सामना हैदराबाद के व्यवसायी अरुण पिल्लई और कुछ दस्तावेजी सबूतों से हुआ।

ईडी के समक्ष अपनी पहली उपस्थिति के दौरान, उनका सामना अरुण पिल्लई से हुआ, जिसने दक्षिण समूह का प्रतिनिधित्व किया था और आप नेताओं को 100 करोड़ रुपये की रिश्वत दी थी।

पिल्लई ने कहा है कि वह कविता के सहयोगी है।

दुनिया की सबसे अहम अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक पार्टी है भाजपा, द वॉल स्ट्रीट जर्नल में छपा लेख

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा दुनिया का सबसे अहम अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक दल है। अमेरिकी अखबार 'द वॉल स्ट्रीट जर्नलइ में एक ओपिनियन आर्टिकल यानी वैचारिक लेख में ऐसा दावा किया गया है। इस लेख में कहा गया है कि अमेरिकी हितों के लिहाज से दुनिया में भारत की भारतीय जनता पार्टी सबसे अहम विदेशी राजनीतिक पार्टी है। वॉल्टर रसेल मीड की ओर से लिखे गए इस लेख में कहा गया है कि शायद इस पार्टी के बारे में दुनिया में सबसे कम जाना गया है।

नगर पालिका में सात करोड़ का घोटाला, लोकायुक्त में मामला दर्ज

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले की बिजुरी नगर पालिका में सात करोड़ से अधिक के घोटाले का मामला सामने आया है। इस मामले में नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा तत्कालीन पदाधिकारियों के अलावा एक दर्जन से अधिक कर्मचारियों पर लोकायुक्त में मामला दर्ज कराया गया है। आधिकारिक तौर पर दी गई जानकारी में बताया गया है कि नगर पालिका बिजुरी में खरीदी में सात करोड़ रुपए से अधिक के भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। इस पर पर तत्कालीन नगर पालिका अध्यक्ष एवं सीएमओ सहित एक दर्जन कर्मचारियों के विरुद्ध लोकायुक्त में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और भारतीय दण्ड संहिता की विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कराया गया है।

क्या मौत की सजा का फांसी के अलावा कम दर्दनाक और अधिक मानवीय तरीका हो सकता है!

सुप्रीम कोर्ट करेगा विचार

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट विचार करेगा कि क्या मौत की सजा का फांसी के अलावा कम दर्दनाक और अधिक मानवीय तरीका हो सकता है। कोर्ट ने इस मुद्दे पर विचार के लिए विशेषज्ञ समिति भी गठित करने के संकेत दिये हैं।

हालांकि फिलहाल कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा है कि क्या फांसी के जरिए मौत की सजा देने में होने वाली तकलीफों के बारे में कोई अध्ययन हुआ है। क्या इस बारे में कोई वैज्ञानिक डाटा उपलब्ध है कि इसमें कितनी तकलीफ होती है और मौत होने में कितना समय लगता है। क्या ऐसा कोई वैज्ञानिक सुझाव है कि आज की तारीख में यही सबसे बेहतर तरीका है या फिर मानवीय गरिमा को कायम रखने वाला कोई और ज्यादा उपयुक्त तरीका हो सकता है। इसकी अंतरराष्ट्रीय प्रैक्टिस से तुलना भी होनी चाहिए।

कोर्ट ने कहा कि अगर केंद्र सरकार ने ऐसा कोई अध्ययन नहीं किया है तो कोर्ट इस पर विचार करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित कर सकता है। कोर्ट ने अटार्नी जनरल से दो मई तक इस बारे में बताने को कहा है। दो मई को फिर सुनवाई होगी। ये निर्देश प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा की पीठ ने मंगलवार को एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान दिये।

वकील ऋषि महल्होत्रा ने जनहित याचिका दाखिल कर मौत की सजा के लिए फांसी के तरीके को ज्यादा क्रूर, तकलीफदेह और अमानवीय बताते हुए लेथल इंजेक्शन, गोली मारना, या कोई और कम दर्दनाक और ज्यादा मानवीय तरीका अपनाए जाने की मांग की है। मंगलवार को ऋषि मल्होत्रा ने मौत की सजा के मामले में देश विदेश में अपनाए जाने वाले तरीकों का जिक्र करते हुए कहा कि फांसी का तरीका ज्यादा तकलीफदेह और क्रूर है इसकी जगह लेथल इंजेक्शन या कोई और दूसरा तरीका अपनाया जाना चाहिए। ऋषि ने विधि आयोग की इस बारे में आयी विभिन्न रिपोर्टों और दुनिया के विभिन्न देशों में अपनाए जाने वाले तरीकों का जिक्रकिया।

कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि वैसे तो कोर्ट सरकार से यह नहीं कह सकता कि इस वह यह तरीका नहीं वह तरीका अपनाएं। लेकिन इस बारे में अगर कोई वैज्ञानिक अध्ययन है ताजा आंकड़े और अध्ययन है तो विचार किया जा सकता है। मल्होत्रा ने कहा कि सेना में भी नियम है कि फांसी या गोली मार कर मौत का विकल्प दिया जाता है। हालांकि सीजेआइ गोली मारने के तरीके को सीधे तौर पर खारिज कर दिया।

मल्होत्रा ने भी कहा कि ये बीते जमाने या तालिबानी क्षेत्र का लगता है। चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने लेथल इंजेक्शन यानी घातक इंजेक्शन पर कहा कि देखा गया है कि अगर व्यक्ति ज्यादा वजन का है तो वह मरने में संघर्ष करता है। मल्होत्रा ने कहा कि कोई भी प्रक्रिया फूलप्रूफ नहीं होती लेकिन हमें यहां इसकी तुलना फांसी से करनी होगी।

चीफ जस्टिस ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने 1983 में दीनानाथ के फैसले में फांसी को सही ठहराया था लेकिन इस फैसले पर पुनर्विचार हो सकता है क्योंकि उसमें आनुपातिकता के सिद्धांत को लागू नहीं किया गया था। सीजेआइ ने कहा कि अमेरिका में देखा गया है कि घातक इंजेक्शन में भी पीड़ा होती है। पीठ ने कोर्ट में मौजूद अटार्नी जनरल आर वेंकेटरमणी से कहा कि 1990 के दशक से 20 मौत की सजा दी जा चुकी हैं। रिपोर्ट क्या कहती है। क्या कोई ऐसी रिपोर्ट है जो इसमें होने वाली पीड़ा की ओर इशारा करती हो।

पीठ ने कहा कि हम विधायिका से यह नहीं कह सकते कि वह यह तरीका चुने या वह चुने लेकिन अगर हमें लगता है कि एक विकल्प दूसरे की तुलना में कम दर्दनाक है तो हम दूसरे को असंवैधानिक घोषित कर सकते हैं। कोर्ट ने अटार्नी जनरल से कहा कि वह सरकार से निर्देश लेकर बताएं कि क्या कोई ऐसा अध्ययन या आंकड़े हैं जो फांसी से मौत के प्रभाव, उसमें होने वाला कष्ट और लगने वाले समय के बारे में बताता हो। या फिर मानवीय गरिमा को कायम रखने वाला कोई और ज्यादा उपयुक्त तरीका हो सकता है। पीठ ने कहा कि 1983 के बाद से आज तक कि क्या स्थिति है। ताजा वैज्ञानिक स्थिति बताएं।

केंद्र ने इस बारे में अध्ययन नहीं किया है तो कोर्ट एक विशेषज्ञ समिति बना सकता है जिसमें नेशनल ला स्कूल दिल्ली, नेशलन ला स्कूल बेंगलूरू या हैदराबाद जैसे दो नेशनल लीगल यूनीवर्सिटी के प्रोफेसर हो सकते हैं, एम्स के कुछ डाक्टर या देश के अन्य प्रतिष्ठित विशेषज्ञ हो सकते हैं। हम इस निष्कर्ष पर पहुंच सकते हैं कि फांसी के द्वारा मौत देना उचित है लेकिन हमारे पास इस पर एक अध्ययन होना चाहिए।

अटार्नी जनरल ने कहा कि अगर कोर्ट कोई कमेटी गठित करता है तो उन्हें ऐतराज नहीं है लेकिन पहले उन्हें निर्देश लेकर आने दीजिये। कोर्ट ने अटार्नी जनरल को 2 मई तक का समय निर्देश लेकर बताने के लिए दिया। पीठ ने कहा कि हमें इस मामले को तूल नहीं देना चाहिए क्योंकि यह चिंतन का विषय है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के घर और दफ्तर को बम से उड़ाने की धमकी

नागपुर (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को एक बार फिर धमकी मिली है। फोन करने वाले शख्स ने उनका घर और ऑफिस उड़ाने की धमकी दी। पुलिस के मुताबिक फोन करने वाले शख्स ने अपना नाम जयेश पुजारी बताया है। उसने कहा है कि पिछली बार उसने 100 करोड़ रुपए मांगे थे। लेकिन इस बार केंद्रीय मंत्री को कम से कम 10 करोड़ रुपए देने होंगे। पश्चिमी नागपुर इलाके के खामला में स्थित नितिन गडकरी की ऑफिस ने मामले की शिकायत दर्ज कराई है। इसके बाद नागपुर पुलिस ने मामले की पड़ताल शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार यह फोन गडकरी की खामला ऑफिस में आया था।

जापान भारत को देगा 75 अरब अमेरिकी डॉलर की सहायता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत एवं जापान ने वैश्विक उथल-पुथल के बीच दुनिया में टिकाऊ आपूर्ति श्रृंखलाओं की स्थापना एवं स्थायित्व के लिए आर्थिक और तकनीकी सहयोग बढ़ाने के इरादे के साथ आपसी सहयोग के आठ करार दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए।जापान के प्रधान मंत्री फुमियो किशिदा ने भारत यात्रा के दौरान इंडो-पैसिफिक रीजन के लिए 75 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक के बुनियादी ढांचे और सुरक्षा सहायता की घोषणा की है। किशिदा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ शिखर सम्मेलन को संबोधित करने के बाद थिंक टैंक इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में यह जानकारी दी।

इससे पहले किशिदा ने पीएम मोदी को हिरोशिमा में मई में आयोजित हो रहे जी-7 समूह के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया, जिसे उन्होंने तुरंत स्वीकार कर लिया। पीएम मोदी ने भी सितंबर में जी-20 के शिखर सम्मेलन में किशिदा की पुनः मेजबानी करने की अपेक्षा की।

किशिदा ने मुक्त और खुले भारत-प्रशांत के लिए अपनी दृष्टि को रेखांकित किया है। उन्होंने पूर्व जापानी प्रधानमंत्री दिवंगत शिंजो आबे को इस सहायता का श्रेय दिया। जापान द्वारा घोषित 75 अरब डॉलर की सहायता राशि निजी क्षेत्र के साथ मिलकर 2030 तक उपलब्ध कराई जाएगी।

मोदी ने कहा, भारत-जापान विशेष रणनीतिक एवं वैश्विक साझेदारी हमारे साझा लोकतान्त्रिक मूल्यों और अंतरराष्ट्रीय पटल पर कानून के शासन के सम्मान पर आधारित है। इस साझेदारी को मजबूत बनाना, हमारे दोनों देशों के लिए तो महत्वपूर्ण है ही, इससे हिन्द प्रशांत क्षेत्र में शान्ति, समृद्धि और स्थिरता को भी बढ़ावा मिलता है। आज हमारी बातचीत में, हमने द्विपक्षीय संबंधों में हुई प्रगति की समीक्षा की।प्रधानमंत्री मोदी ने बताया, दोनों देशों ने रक्षा उपकरण और तकनीकी सहयोग, व्यापार, स्वास्थ्य, और डिजिटल साझीदारी पर विचारों का आदान-प्रदान किया। सेमीकन्डक्टर और अन्य महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी में विश्वस्त आपूर्ति श्रृंखला के महत्व पर भी हमारे बीच सार्थक चर्चा हुई। उन्होंने कहा, पिछले साल हमने अगले पांच वर्षों में भारत में पांच ट्रिलियन येन, यानी तीन लाख 29 हजार करोड़ रुपए, के जापानी निवेश का लक्ष्य तय किया था। यह संतोष का विषय है कि इस दिशा में अच्छी प्रगति हुई है।उन्होंने कहा, वर्ष 2019 में हमने भारत जापान औद्योगिक प्रतिस्पर्धात्मक साझेदारी की स्थापना की थी। इसके अंतर्गत हम हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में लॉजिस्टिक्स, खाद्य प्रसंस्करण, लघु एवं मध्यम उद्योग, कपड़ा उद्योग, मशीनरी और इस्पात जैसे क्षेत्रों में भारतीय इंडस्ट्री की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ा रहे हैं।

शरारती तत्वों ने स्टंटबाजों पर नजर रखने को लगाए गए सीसीटीवी के तार काटे

गाजियाबाद (एजेंसी)। गाजियाबाद के एलिवेटेड रोड पर 5 दिन पहले ही 45 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे। देश के पहले सिंगल पिलर एलिवेटेड रोड पर शरारती तत्वों ने इनमें से 27 सीसीटीवी कैमरों के तार काट दिए। जब ब्लैंक स्क्रीन आई, तब कंट्रोल रूम को पता चला। हुड़दंगबाजी और स्टंटबाजी पर नजर रखने के लिए 5 दिन पहले ही ये कैमरे लगाए गए थे। तार कट करने के संबंध में थाना इंदिरापुरम में एफआईआर दर्ज कराई गई है।

गौरतलब है कि एलिवेटेड रोड पर आए दिन स्टंटबाजी और हुड़दंगबाजी होती रहती है। इसे रोकने के लिए पिछले दिनों यूपी गेट से रोटरी गोल चक्कर तक 11 किलोमीटर लंबाई में 45 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे। इनका कंट्रोल रूम वसुंधरा पुलिस चौकी पर बनाया गया है। 15 मार्च को इन कैमरों का शुभारंभ किया गया था। प्रत्येक कैमरे पर नजर रखने के लिए कंट्रोल रूम में 8-8 घंटे की शिफ्ट अनुसार पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई थी। 15 मार्च को डीसीपी समेत अन्य लोगों ने सीसीटीवी कैमरों के कंट्रोल रूम का शुभारंभ किया था, जो वसुंधरा चौकी पर बना है। कंट्रोल रूम पर तैनात कांस्टेबल अभिजीत बालियान और भूपेंद्र सिंह ने बताया कि 16 मार्च की रात साढ़े 8 बजे कुछ कैमरे अचानक बंद हो गए। उन्होंने इसकी सूचना कैमरे लगाने वाले टेक्नीशियन शुभम गोयल को दी। वसुंधरा चौकी प्रभारी विपिन कुमार, टेक्नीशियन शुभम गोयल जब मौके पर पहुंचे तो यूपी गेट की तरफ से चलने पर कौशांबी से हज हाउस तक करीब 27 सीसीटीवी कैमरों के तार में कट लगा हुआ था।

सुप्रीम कोर्ट में 11 अप्रैल को होगी इलेक्टोरल बॉन्ड पर सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट इलेक्टोरल बॉन्ड योजना को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 11 अप्रैल को विचार करने के लिए सहमत हो गया, ताकि यह जांच की जा सके कि इस मामले की सुनवाई संविधान पीठ द्वारा की जानी चाहिए या नहीं। एक याचिकाकर्ता का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिवक्ता शादान फरासत ने भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष तर्क दिया कि इस मामले का पहलू राजनीतिक दलों के वित्त के मूल से संबंधित है और इस मुद्दे पर एक आधिकारिक घोषणा की आवश्यकता है। अदालत के विचारार्थ उनके द्वारा तैयार किए गए सवालों की ओर इशारा करते हुए फरासत ने कहा कि अदालत इस मामले को संविधान पीठ द्वारा सुने जाने पर विचार कर सकती है।

एक याचिकाकर्ता का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता दुष्यंत दवे ने कहा, हमें तभी फायदा होगा, जब यह संविधान पीठ होगी। इससे किसी का अहित नहीं होगा। हां, यह मुद्दा हमारे लोकतांत्रिक अस्तित्व के मूल में जाता है। अब तक 12,000 रुपये और सबसे बड़ी पार्टी को दो तिहाई से अधिक मिलता है।

पीठ में न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा ने केंद्र के वकील से पूछा कि क्या वह इस मामले को संविधान पीठ को सौंपने के पहलू पर बहस करने के लिए तैयार हैं। वकील ने जवाब दिया कि अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी, जो सुनवाई के दौरान अदालत कक्ष में मौजूद नहीं थे, को तर्क देना होगा कि संविधान पीठ को संदर्भ दिया जाना चाहिए या नहीं।दलीले सुनने के बाद, शीर्ष अदालत ने 11 अप्रैल को सुनवाई के लिए मामले को निर्धारित किया, यह जांचने के लिए कि क्या याचिकाओं को संविधान पीठ को भेजा जाना चाहिए। केंद्र ने पिछले साल अक्टूबर में सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम राजनीतिक फंडिंग का बिल्कुल पारदर्शी तरीका है।शीर्ष अदालत एनजीओ एसोसिएशन फॉर डेमोकेट्रिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की अगुआई वाली याचिकाओं के एक बैच पर सुनवाई कर रही थी।

पुरानी पेंशन व्यवस्था में शामिल होने का मौका

अर्धसैनिक बलों-दिल्ली पुलिस के इन कार्मिकों को मिलेगा लाभ

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय अर्धसैनिक बलों और दिल्ली पुलिस के कुछ ऐसे कार्मिक, जिन्हें ज्वाइनिंग के बाद राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) में शामिल कर दिया गया था, अब वे दोबारा से पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) का लाभ ले सकते हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से इस बाबत आदेश जारी कर दिए गए हैं। इस संबंध में डीओपीटी के 3 मार्च 2023 के कार्यालय ज्ञापन का हवाला दिया गया है। दिल्ली पुलिस आयुक्त के दफ्तर से भी ऐसे ही आदेश दिए गए हैं। दिल्ली पुलिस में अनेक ऐसे कार्मिक हैं, जिनकी भर्ती प्रक्रिया 2003 में शुरु हुई थी, मगर ज्वाइनिंग 2004 या उसके बाद मिली थी। इस क्रम में करीब तीन दर्जन वे 'एसआई' भी शामिल हैं, जो सीधी भर्ती के जरिए सेवा में आए थे। इनकी ज्वाइनिंग 2005 में हुई थी, जबकि भर्ती प्रक्रिया 2003 में शुरु हुई थी। नतीजा इन सभी को एनपीएस में शामिल कर दिया गया। अब ऐसे सभी कार्मिकों को पुरानी पेंशन चुनने का विकल्प दिया गया है।

केंद्र सरकार के इन आदेशों में कहा गया है कि ऐसे अधिकारी या कार्मिक, जो राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली को अधिसूचित किये जाने की तारीख यानी 22 दिसंबर, 2003 से पहले विज्ञापित या अधिसूचित किए गए पदों के तहत, केंद्र सरकार की सेवाओं में शामिल हुए हैं, अब ऐसे सभी कर्मी या अधिकारी, केंद्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 (अब 2021) के तहत पुरानी पेंशन योजना में शामिल होने के योग्य हैं। उन्हें दोनों विकल्पों में से एक चुनना होगा।

दिल्ली पुलिस आयुक्त कार्यालय के आदेशों में कहा गया है कि वे 31 अगस्त तक अपना विकल्प दे दें। कोई भी योग्य कार्मिक इस विकल्प से दूर न रहें, इसके लिए संबंधित विभाग द्वारा यह सूचना उन तक पहुंचाने का हर संभव प्रयास किया जाएगा। इसके लिए वायरलैस पर सूचना और रोल कॉल के दौरान कार्मिकों को यह जानकारी देने की कोशिश होगी।

पुलिस आयुक्त कार्यालय का प्रयास है कि यह विकल्प हर योग्य कर्मचारी या अधिकारी तक अवश्य पहुंच जाए। ये एक बारगी विकल्प है। 31 अक्तूबर तक हर तरह से यह प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

केंद्र सरकार के अन्य विभागों में कार्यरत कार्मिकों को भी यह विकल्प दिया गया है। उन्हें भी 31 अगस्त, 2023 तक इस विकल्प का उपयोग करना होगा। अगर कोई योग्य कर्मचारी, उक्त अवधि तक पुरानी पेंशन योजना का विकल्प नहीं चुनता है तो इसका मतलब यह निकाला जाएगा कि वह कर्मी राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली में रहने का इच्छुक है। उसे एनपीएस के तहत लाभ प्रदान किए जाएंगे। कोई भी योग्य कर्मचारी, अब इन दोनों योजनाओं में से कोई एक विकल्प चुन लेता है तो वह अंतिम विकल्प माना जाएगा। उसके बाद विकल्प में कोई बदलाव नहीं होगा। बता दें कि केंद्र सरकार के तहत सीएपीएफ, दिल्ली पुलिस और अन्य विभागों में अनेक ऐसे कर्मी हैं, जिनकी भर्ती प्रक्रिया 22 दिसंबर 2003 से पहले शुरु हो चुकी थी, लेकिन उनकी ज्वाइनिंग 2004 या उसके बाद हुई है। ऐसे सभी कार्मिकों को एनपीएस में शामिल कर दिया गया।

केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में 'पुरानी पेंशन' लागू करने को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट ने 11 जनवरी को दिए अपने फैसले में कहा था कि 'सीएपीएफ' में आठ सप्ताह के भीतर पुरानी पेंशन लागू कर दी जाए। अदालत की वह अवधि होली पर खत्म हो चुकी है।

केंद्र सरकार, उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ, सुप्रीम कोर्ट में तो नहीं गई, मगर अदालत से 12 सप्ताह का अतिरिक्त समय मांग लिया है। खास बात है कि सरकार ने हाईकोर्ट के समक्ष जो दलील दी है, उसमें 12 सप्ताह में 'ओपीएस' लागू करने की बात नहीं कही है। इस मुद्दे पर महज सोच-विचार के लिए समय मांगा है।

इस अवधि में केंद्र सरकार, दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में भी जा सकती है या कानून के दायरे में कोई दूसरा रास्ता भी अख्तियार कर सकती है। केंद्र सरकार ने हाईकोर्ट में दी अपनी याचिका में ये सब अधिकार अपने पास सुरक्षित रखे हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी सरकार से बिजली हड़ताल से हुए नुकसान के बारे में पूछा

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश सरकार से बिजली कर्मचारियों की हड़ताल से राज्य को हुए आर्थिक और अन्य नुकसान की जानकारी मांगी है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश प्रीतिंकर दिवाकर और न्यायमूर्ति एस.डी. सिंह ने राज्य के अतिरिक्त महाधिवक्ता से रविवार को समाप्त हुई हड़ताल पर गए कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई के बारे में भी पूछा। साथ ही पूछा कि उन्हें गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया।कोर्ट ने कहा कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हड़ताल वापस ले ली गई है, मामला अब भी काफी गंभीर है।इसमें कहा गया है, लोगों के जीवन के साथ खिलवाड़ करने के लिए कोई स्वतंत्र नहीं हो सकता है। कर्मचारियों की मांग लोगों के जीवन की कीमत पर नहीं हो सकती है।अधिवक्ता विभु राय की जनहित याचिका के संबंध में दायर याचिका पर अदालत सुनवाई कर रही थी।बिजली कर्मचारियों की हड़ताल को लेकर दायर जनहित याचिका पर हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है।इससे पहले, 17 मार्च को, अदालत ने बिजली कर्मचारी संघ के नेताओं के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू की थी और बिजली आपूर्ति बाधित नहीं करने के अदालत के पिछले आदेश के बावजूद हड़ताल पर जाने के लिए उनके खिलाफ जमानती वारंट जारी किया था।प्रारंभ में, इसने कर्मचारी संघों के वकील से पूछा था कि उनके अपने आकलन के अनुसार किस क्षेत्र में नुकसान हुआ है।

प्राइवेट बस ने मवेशियों के झुंड को मारी टक्कर, 14 गायों की मौत

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के नलगोंडा जिले में मंगलवार को एक प्राइवेट बस ने मवेशियों के झुंड को टक्कर मार दी, जिससे 14 गायों की मौत हो गई। हादसा बुगाबाविगुडेम गांव के पास अडांकी-नारकेटपल्ली हाईवे पर हुआ। हादसे में 6 गाय भी घायल हो गईं। चेन्नई से हैदराबाद आ रहे बस ने मवेशियों के झुंड को सड़क पार करते समय टक्कर मार दी। मवेशी के मालिक का आरोप है कि बस चालक की लापरवाही के कारण दुर्घटना हुई और वाहन बहुत तेज गति से चल रहा था।

220 किलो विस्फोटक और 7 सेकेंड में पूरा टावर हुआ जमींदोज

सूरत (एजेंसी)। गुजरात के सूरत शहर में स्थित एक बिजलीघर के 30 साल पुराने 'कूलिंग टावरइ को विस्फोट के जरिए ढहा दिया गया। अधिकारियों के मुताबिक गैस से चलने वाले 'उतरन ताप विद्युत संयंत्रइ के करीब 72 मीटर व्यास और 85 मीटर ऊंचे आरसीसी टावर को सुबह करीब 11.10 बजे ढहाया गया।

अधिकारियों ने कहा कि विध्वंस के लिए 220 किलोग्राम विस्फोटक का इस्तेमाल किया गया।

टावर सात सेकेंड के भीतर एक तेज आवाज के साथ नीचे गिर गया, जिससे धूल की एक मोटी परत फैल गई।

एहतियात के तौर पर लोगों को टावर से करीब 250-300 मीटर की दूरी पर रखने के लिए बिजलीघर के आस-पास के क्षेत्र की घेराबंदी कर दी गई थी। यह बिजलीघर तापी नदी के किनारे स्थित है।

पाक क्रिकेटर प्रमुख का दावा, डिजिटल रेटिंग मामले में पीएसएल ने आईपीएल को पीछे छोड़ा

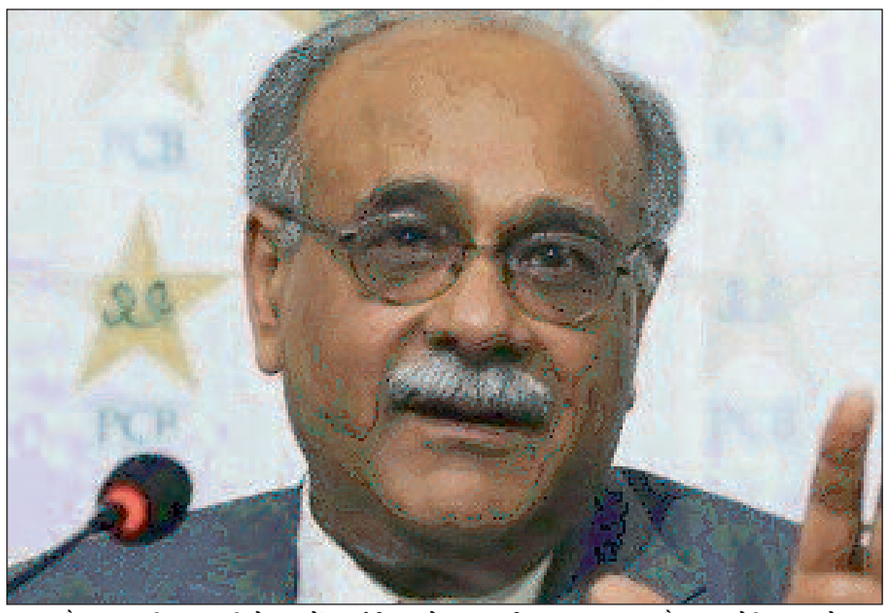

लाहौर ,। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की अंतरिम प्रबंधन समिति के अध्यक्ष नजम सेठी ने दावा किया है कि पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) सीजन ने डिजिटल रेटिंग के मामले में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को पीछे छोड़ दिया है।

सेठी ने कहा कि इस सीजन के पीएसएल को पिछले संस्करण में आईपीएल के 130 की तुलना में 150 की डिजिटल रेटिंग मिली है, जबकि इस आयोजन को सफल बनाने के लिए प्रशंसकों के साथ-साथ पंजाब और सिंध की संघीय और प्रांतीय सरकारों का आभार व्यक्त किया।एक नया विकल्प भी पेश किया गया था। 74 वर्षीय ने कहा, हमारे पास संयुक्त राज्य अमेरिका में लीग के कुछ मैच आयोजित करने का प्रस्ताव है और अगर हमें मौका मिलता है, तो हम उस विकल्प का पता लगाएंगे।

और जनता की सुविधा के लिए स्टेडियमों के पास खिलाड़ियों के लिए पांच सितारा होटल बनाने के लिए लाहौर और कराची में सम्बंधित अधिकारियों से बात कर रहे हैं।

उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि कैसे पीएसएल ने प्रभावित किया है और देश की आर्थिक स्थिति को सुधारने में मदद की है।

सेठी ने सरकार को भुगतान किए गए करों का खुलासा करने से पहले कहा, पीएसएल ने देश के आर्थिक पहिए को आगे बढ़ाने में योगदान दिया है क्योंकि इसने नौकरी के अवसर पैदा किए और पर्यटन, होटल उद्योग, एयरलाइंस और सडक़ यात्रा व्यवसाय को बढऩे में मदद की। डॉन ने बताया, हमने संघीय सरकार को करों में 70 करोड़ रुपये, बिक्री करों में 50 करोड़ रुपये और प्रांतीय करों में 50 करोड़ रुपये का भुगतान किया है।

पीएसएल में टीमों को प्रायोजित करने वाली तीन सट्टेबाजी कंपनियों के मुद्दे पर, सेठी ने स्पष्ट किया कि समझौतों की समीक्षा की जाएगी क्योंकि वे पीसीबी प्रमुख के रूप में स्थापित होने से पहले हुए थे। उन्होंने कहा, पीसीबी धर्म, संस्कृति और देश की परंपरा के खिलाफ किसी भी गतिविधि में शामिल नहीं होगा।

फैंस के दिलों पर छाई गुरू-चेले की जोड़ी

नई दिल्ली, क्रिकेट के महाकुंभ यानी 'इंडियन प्रीमियर लीग' के 16वें संस्करण के आगाज में अब महज कुछ ही दिनों का वक्त बाकी है। इस टूर्नामेंट का आगाज 31 मार्च से अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा, जहां पहला मुकाबला पिछले सीजन की डिफेंडिंग चैंपियन गुजरात जायंट्स और आईपीएल की ट्रॉफी 4 बार उठाने वाले चेन्नई सुपर किंग्स के बीच खेला जाना है।

बता दें कि क्रिकेट फैंस को इस टूर्नामेंट के पहले मैच का इंतजार इतना है कि मैच से 10 दिन पहले ही सभी टिकटें बिक चुकी है।

दरअसल, आईपीएल 2023 का पहला मुकाबला 31 मार्च को गुजरात जायंट्स और चेन्नई सुपर किंग्स (ॅळ ५२ उरङ) के बीच नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। बता दें कि अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम विश्व का सबसे बड़ा स्टेडियम है, जिसमें करीब 1 लाख 32 हजार दर्शकों के बैठने की क्षमता है। बता दें कि आईपीएल अब फिर से अपने पहले वाले फॉर्मेट में खेला जाएदा, जिसमें सभी फ्रेंचाइजी अपने होम-ग्राउंड के साथ-साथ दूसरे टीमों के घर में भिड़ेगी।

महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप: जैसमीन और शशि अगले दौर में

नई दिल्ली । 2022 राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता जैसमीन लैम्बोरिया और शशि चोपड़ा ने महिंद्रा आईबीए महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप ने शानदार जीत दर्ज कर अगले दौर में प्रवेश किया।

इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में भारत की सबसे कुशल युवा मुक्केबाज़ों में से एक जैसमीन ने 32 बाउट के 60 किग्रा राउंड में तंजानिया की न्यामबेगा बीट्राइस एम्ब्रोस के खिलाफ रेफरी स्टॉपिंग द कॉन्टेस्ट्स (आएससी) जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। हरियाणा की 21 वर्षीय मुक्केबाज़ ने अपने आक्रमण के इरादे से फ्रंट फुट पर शुरुआत की और पहले राउंड में विजेता घोषित होने से पहले केवल 12 सेकंड के भीतर अपने प्रतिद्वंद्वी को रस्सियों से घेरने के लिए मुक्कों की झड़ी लगा दी।

टूर्नामेंट की सबसे तेज जीत में से एक के बाद, जैस्मीन अगले दौर में ताजिकिस्तान की समदोवा मिजगोना से भिड़ेंगी। दूसरी ओर शशि ने भी 63 किग्रा वर्ग में केन्या की मवांगी तेरेसिया को 5-0 से हरा दिया।

भारतीय खिलाड़ी अपने प्रतिद्वंद्वी के लिए बहुत मजबूत साबित हुई। उन्होने अपने कुशल प्रहारों और कड़े बचाव का उपयोग करके बाउट को आराम से जीत लिया। वह राउंड ऑफ़ 16 में 2022 एशियाई चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता जापान की कीटो माई से भिड़ेंगी।

एशियन 20 किमी पैदल चाल चैंपियनशिप : अक्षदीप ने स्वर्ण जीता

नोमी । भारत के अक्षदीप सिंह ने एशियन 20 किमी पैदल चाल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीत लिया जबकि प्रियंका गोस्वामी ने महिला वर्ग में कांस्य पदक जीता।

पुरुष 20 किमी पैदल चाल स्पर्धा में राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी अक्षदीप सिंह ने 1:20:57 का समय लेकर पोडियम पर शीर्ष स्थान हासिल किया। यह भारत का इस प्रतियोगिता में दूसरा स्वर्ण पदक है। इससे पहले ओलम्पियन गुरमीत सिंह ने 2016 में स्वर्ण पदक जीता था।

अन्य भारतीयों में विकास सिंह और परमजीत बिष्ट ने क्रमशः 1:20:05 और 1:20:08 का समय लिया जो 2023 विश्व चैंपियनशिप और 2024 पेरिस ओलंपिक्स के 1:20:10 के चलिफिकेशन मार्क से कम था।

उल्लेखनीय है कि अक्षदीप और प्रियंका इस महीने के शुरू में राष्ट्रीय चैंपियनशिप से विश्व चैंपियनशिप और पेरिस ओलंपिक्स के लिए पहले ही चलीफाई कर चुके हैं।

इस बीच राष्ट्रमंडल खेलों की रजत पदक विजेता प्रियंका ने 1:32:27 का समय लेकर कांस्य पदक जीता। चीन को स्वर्ण और जापान को रजत मिला।

इन पदकों के साथ भारत की प्रतियोगिता में पदक संख्या नौ पहुंच गयी है जिसमें दो स्वर्ण, दो रजत और पांच कांस्य पदक शामिल हैं।

बुंडेसलिगा : बायर ने म्यूनिख को 2-1 से दी मात

बर्लिन । बायर लीवरकुसेन के एक्साच्लि पलासिओस ने दो गोल किए, जिससे बुंडेसलिगा में बेयर्न म्यूनिख को 2-1 से मात मिली। शुरूआती दौर में, एफसी बेयर्न ने शानदार तरीके से मैच को खेला, जहां जोशुआ किमिच ने 22वें मिनट में एक गोल दागा और स्कोर 0-1 से कर दिया।

हालांकि, इसके बाद लीवरकुसेन ने टीम को कोई मौका नहीं दिया और पलासिओस ने पहले 55वें मिनट में पेनल्टी स्पॉट से गोल किया, जिससे स्कोर 1-1 पर आ गया। ठीक 18 मिनट बाद पेनल्टी स्पॉट से पलासिओस ने एक और गोल किया, जो 73वें मिनट में आया। दो गोल से टीम ने अपनी मजबूती बरकरार रखी और अंत में मैच को अपने नाम किया।

बेयर्न म्यूनिख के टीम मेंबर नागेल्समैन ने कहा, इस हार से टीम को नुकसान हुआ है। हम आज कमजोर पक्ष थे। हमारे पास शक्ति की कमी थी और कुल मिलाकर टीम ने अच्छा नहीं खेला। यह एक सुस्त प्रदर्शन रहा। हमें शीर्ष मुकाबले में डॉर्टमुंड को हराना होगा अन्यथा हमारे लिए बुंडेसलिगा को जीतना कठिन होगा।

वहीं, अन्य मैचों में यूनियन बर्लिन ने जीत के साथ वापसी की और रानी खेडिऱा और केविन बेहरेंस के दूसरे हाफ के गोल की मदद से इंग्टीराहेटी को 2-0 से हराकर शीर्ष तीन में जगह बना ली। वहीं, एक और मुकाबले में माइंज और फ्राइबुर्ख का मैच 1-1 से ड्रा रहा।

फिल्मी सफर

पहले दिन ही असफल हुई कब्जा, लागत 120 करोड़ कमाई 11 करोड़

निर्माता आनन्द पंडित की हिन्दी में पेश की गई कन्नड़ भाषा की फिल्म कब्जा का बॉक्स ऑफिस पर बुरा हश्र हुआ है। इस फिल्म ने पूरे भारत में बॉक्स ऑफिस पर मात्र 11.50 करोड़ का कारोबार करने में सफलता प्राप्त की है। इस कारोबार को देखते हुए ट्रेड का कहना है कि कब्जा पहले दिन ही असफल फिल्मों की सूची में शामिल हो गई है। इस फिल्म को बनाने में निर्माताओं ने 120 करोड़ की लागत लगाई है। इस लागत को निकालने के लिए जरूरी है कि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कम से कम 150 करोड़ का कारोबार करे, जो इसके पहले दिन के कारोबार को देखते हुए सम्भव नहीं लगता है।कन्नड़ सुपरस्टार किच्चा सुदीप और उपेंद्र राव की फिल्म कब्जा को लेकर दर्शकों में काफी उत्साह नजर आ रहा था। जब से फिल्म का ट्रेलर जारी हुआ था दर्शकों के जेहन में केजीएफ का नाम फिर से गूंजने लगा था। दर्शकों को उम्मीद थी कि यह फिल्म भी केजीएफ सरीखी फिल्म होगी। इसी सोच के चलते दर्शकों ने इससे दूरी बना ली। जो दर्शक फिल्म देखकर आए हैं उनका कहना था कि यह केजीएफ की लचर नकल है। इसी के चलते किच्चा सुदीप, उपेंद्र राव, शिव राजकुमार और श्रिया सरन स्टारर निर्देशक आर चंद्रू की इस फिल्म को पहले दिन दर्शकों से खास अच्छा रिस्पॉन्स नहीं मिला है। फिल्म ने पहले दिन काफी धीमी गति से कारोबार किया।प्राप्त समाचारों के अनुसार इस फिल्म ने पहले दिन साउथ सिनेमा मार्केट से कोई उल्लेखनीय कमाई नहीं की है। इस फिल्म ने साउथ सिनेमाई बॉक्स ऑफिस से कुल 11 करोड़ रुपये वसूले हैं। यह रकम इसकी लागत को देखते हुए नगण्य के समान है। फिल्म को कम से कम पहले दिन 20 करोड़ के आसपास कारोबार करना चाहिए था। तब, जब इस फिल्म में किच्चा सुदीप और उपेंद्र राव जैसे कन्नड़ सिनेमा के बड़े सितारे हैं।

केजीएफ की सफलता को देखते हुए ही आनन्द पंडित ने इसे हिन्दी भाषा में वितरण के अधिकार खरीदे। उन्हें उम्मीद थी कि दर्शकों को यह फिल्म केजीएफ की भांति ही पसन्द आएगी, जिसके चलते सिनेमाघरों में भारी तादाद में दर्शकों की उपस्थिति नजर आएंगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

हिंदी बेल्ट में भी फिल्म कब्जा दर्शकों को इंप्रेस करने में खास सफल नहीं हुई है। कोईमोई.कॉम के अनुसार इस फिल्म ने हिंदी थियेटर्स से पहले दिन कुल 50 लाख रुपये ही हासिल किए हैं। इन आंकड़ों को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि यह फिल्म पूरी तरह से बॉक्स ऑफिस पर असफल हो गई है।कन्नड़ स्टार किच्चा सुदीप और उपेंद्र की इस मल्टी स्टारर पीरियड ड्रामा फिल्म को बनाने में मेकर्स ने कथित तौर पर करीब 120 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। यही वजह है कि फिल्म के लिए बेहद जरूरी है कि ये थियेटर्स से हिट होने के लिए करीब 150 करोड़ रुपये का कारोबार जरूर हासिल करे। अगर फिल्म आने वाले दिनों में कमाई की रफ्तार तेज पकड़ती है तो ये आंकड़ा हासिल करना संभव हो सकेगा।

गैसलाइट के बाद सारा अली खान के हाथ लगा एक और प्रोजेक्ट

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस सारा अली खान अपनी फिल्मों के साथ-साथ अपनी सोशल मीडिया पोस्ट के लिए भी काफी चर्चा में रहती हैं। जल्द ही सारा अली खान एक्टर विक्रांत मैसी और एक्ट्रेस चित्रांगदा सिंह के साथ गैसलाइट में नजर आने वाली हैं। उनकी यह मूवी 31 मार्च को रिलीज होने वाली है, जिसका ट्रेलर भी रिलीज हो चुका है। लेकिन गैसलाइट की रिलीज से पहले ही सारा अली खान के हाथ एक और बड़ा प्रोजेक्ट लगा है। दरअसल, सारा अली खान जल्द ही गुंजन सक्सेना के डायरेक्टर शरण शर्मा की अपकमिंग मूवी में नजर आ सकती हैं।

सारा अली खान की अपकमिंग मूवी से जुड़ी जानकारी उनसे जुड़े सूत्रों ने दी है। बताया जा रहा है कि शरण शर्मा की इस अपकमिंग मूवी की स्क्रिप्ट काफी अलग हटकर है, जिसके लिए सारा अली खान को परफेक्ट माना गया है। इस बारे में बात करते हुए सूत्र ने कहा, मूवी की स्क्रिप्ट काफी हटकर है और शरण को लगता है कि सारा इस हिस्से के लिए बिल्कुल परफेक्ट रहेंगी। फिल्म को लेकर फॉर्मैलिटी भी सारी पूरी कर ली गई है और माना जा रहा है कि इसकी शूटिंग भी जल्द ही शुरू हो सकती है।

रेड आउटफिट में हिना खान ने दिखाई कातिलाना अदाएं, फोटो ने बढ़ाई फैंस की धडक़नें

रेड कलर के आउटफिट में एक्ट्रेस हिना खान बेहद ही सिजलिंग लग रही हैं। उनकी ग्लैमरस तस्वीरें फैंस को काफी पसंद आ रही हैं। ब्राउन आंखें और कातिलाना अंदाज में एक्ट्रेस हिना खान गजब ढा रही हैं। बॉडी हगिंग आउटफिट में एक्ट्रेस हिना खान अपने कातिलाना अंदाज से कहर बरपाए रहती हैं।

रेड कलर के शॉर्ट ड्रेस में एक्ट्रेस हिना खान बेहद ही स्टाइलिश और डेसिंग नजर आ रही हैं। ग्लॉसी मेकअप और खुली जुल्फों के साथ हिना खान बेहद ही गॉर्जियस लग रही हैं। उनकी तस्वीरों पर फैंस बेशुमार प्यार लुटा रहे हैं। एक्ट्रेस हिना खान ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरों में एक से बढक़र एक पोज दिए। एक्ट्रेस हिना खान अपने फैंस के लिए निजी और प्रोफेशनल पलों को साझा करती रहती हैं। बिग बॉस फेम हिना खान ने बेहद कम समय में इंडस्ट्री में खास जगह बनाई है। एक्ट्रेस हिना खान टीवी एक्टर शहीर शेख के साथ बारिश बन जाना गाना में नजर आ चुकी हैं। हिना खान की फैन फॉलोइंग काफी तगड़ी है। उनके इंस्टाग्राम अकाउंट पर 18.8 मिलियन फॉलोवर्स हैं। एक्ट्रेस हिना खान अपने फैंस के लिए एक से बढक़र एक बोल्ड तस्वीरें शेयर करती रहती हैं।

प्रियंका चोपड़ा सिटाडेल के बाद अज्यूम नथिंग में नजर आएंगी, अपने बैनर के तले करेंगी निर्माण

प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी आने वाली वेब सीरीज सिटाडेल को लेकर सुर्खियों में छाई हुई हैं। अमेजन प्राइम वीडियो की इस सीरीज से अभिनेत्री का पहला लुक सामने आ चुका है, जिसे देख दर्शक भी एक्साइटेड हो गए हैं। एक ओर फैंस प्रियंका को पर्दे पर देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, तो अब अभिनेत्री ने अपनी अगली सीरीज साइन कर ली है। अभिनेत्री अज्यूम नथिंग में नजर आएंगी, जिसका निर्माण वह अपने बैनर के तले करेंगी।

रिपोर्ट के अनुसार, तान्या सेल्वरत्नम की बुक अज्यूम नथिंग पर बन रही वेब सीरीज में प्रियंका के लीड रोल निभाने के लिए बातचीत चल रही हैं। अभिनेत्री अभिनय के अलावा अपने बैनर पर्पल पेबल पिक्चर्स के तहत इस प्रोजेक्ट की कार्यकारी निर्माता भी होंगी। बता दें कि सेल्वारत्नम ने इस बुक में न्यूयॉर्क के महिला अधिकारों के वकील अटॉर्नी जनरल एरिक श्नाइडरमैन को डेट करते समय अपने साथ हुए दुर्व्यवहार का वर्णन किया है।

हाल ही में एक्ट्रेस का सिटाडेल से लुक सामने आया है, जिसमें वह जासूस का किरदार निभा रही हैं। 28 अप्रैल को अमेजन प्राइम पर आने वाली इस सीरीज का निर्देशन एंथनी रूसो और जोसफ रूसो ने किया है। सीरीज में प्रियंका रिचर्ड मेडेन, स्टैनली टुचि और लेस्ली मैनविल के साथ नजर आएंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसकी कहानी सिटाडेल नाम की संस्था की है, जिसमें रिचर्ड और प्रियंका जासूस बने हैं। यह संस्था किसी देश के अंतर्गत नहीं आती।

एक्ट्रेस की रोमांटिक एंटरटेनर लव अगेन का ट्रेलर रिलीज हो गया है और यह 12 मई को रिलीज होने वाली हैं। इस फिल्म में वह सैम ह्यूगन और सेलीन डायोन के साथ नजर आएंगी। साथ ही निक जोनस का कैमियो भी होगा। इस फिल्म की कहानी मीरा (प्रियंका) नाम की लडक़ी की है, जिसके मंगेतर का निधन हो गया है। मीरा अभी भी मंगेतर के नंबर पर मैसेज भेजती है, जो अब जर्नलिस्ट रॉब (ह्यूगन) के पास है।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा
प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382-222383
मो. 8445596074,
9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com